मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 184
शनिवार, 17 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में एनडीए की प्रचंड जीत, पीएम मोदी बोले- यह जनहित के एजेंडे को मिला समर्थन

**नई दिल्ली, 16 जनवरी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में एनडीए की जीत का स्वागत करते हुए कहा कि यह गठबंधन और राज्य की जनता के बीच मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है। एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह प्रगति को गति देने और राज्य की गौरवशाली संस्कृति का जश्न मनाने के लिए दिया गया वोट है। उन्होंने कहा कि मुझे हर एनडीए कार्यकर्ता पर गर्व है जिन्होंने महाराष्ट्र भर में जनता के बीच अथक परिश्रम किया। उन्होंने हमारे गठबंधन के कार्यों के बारे में बताया, आने वाले समय के लिए हमारे दृष्टिकोण को उजागर किया और विपक्ष के झूठ का प्रभावी ढंग से खंडन किया। मेरी शुभकामनाएं।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि देश के कोने-कोने की जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली ठऊअ की विकासनीति पर है। यह ऐतिहासिक सफलता, महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर है। इस अपार समर्थन के लिए महाराष्ट्र की जनता का हृदयपूर्वक आभार। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा-शिवसेना के सभी कार्यकताओं को इस जीत की हार्दिक बधाई दी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के नगर

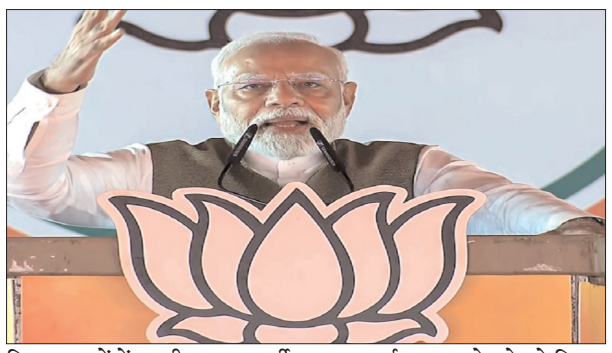



निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं शिवसेना की प्रचण्ड विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है। शुक्रवार को महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने राज्य के प्रमुख नगर निगमों में शानदार जीत हासिल की। गुरुवार को हुए महत्वपूर्ण मतदान के बाद मतगणना से सत्तारूढ़ दल के पक्ष में शहरी क्षेत्रों में स्पष्ट जनादेश का पता चला। गठबंधन ने प्रतिष्ठित बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया, जिससे ठाकरे परिवार के दशकों के एकतरफा वर्चस्व का अंत हुआ और भारत के सबसे समृद्ध नागरिक निकाय के प्रशासन में एक ऐतिहासिक बदलाव आया। भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति पार्टी ने 29 नगर निगम चुनावों में से 24 में बड़ी बढ़त हासिल की है।

भाजपा गठबंधन में निर्विवाद रूप से बड़े भाई के रूप में उभरी और राज्य के द्वितीयक शहरी केंद्रों में अपनी जबरदस्त ताकत का प्रदर्शन किया। नागपुर में पार्टी ने अपना पारंपरिक गढ़ बरकरार रखा और 80 से अधिक वार्डों में बढ़त हासिल करते हुए कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया।

## महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जीत के लिए फडणवीस-शिंदे को बधाई, महायुति सरकार होगी मजबूत : नितिन गडकरी

**नई दिल्ली, 16 जनवरी।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 निकायों के चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की बढ़त के रुझानों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ पार्टी कार्यकताओं को भी बधाई दी।

गडकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी।

उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शानदान प्रदर्शन के लिए फडणवीस, शिंदे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सभी पार्टी कार्यकताओं को बधाई दी। गडकरी ने कहा कि वह



राज्य की जनता के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने विकास को प्राथमिकता देते हुए भाजपा नीत महायुति पर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा कि यह जीत महायुति सरकार को और भी अधिक गति प्रदान करेगी, जो विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

गडकरी ने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को हुआ था। वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह शुरू हुई, जो खबर लिखे जाने तक जारी थी।

## पीएम मोदी ने देश में विकसित की नई खेल संस्कृति, पहले होती थी उपेक्षा : योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ, 16 जनवरी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2014 से पहले, खेल प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं थीं, और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण खिलाड़ी या तो पलायन कर जाते थे या निराश हो जाते थे। हालांकि, 2014 के बाद स्थिति बदल गई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, 2014 से पहले, खेल और खेल प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं थीं। अक्सर इनकी



उपेक्षा की जाती थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे की कमी के कारण, हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी या तो पलायन कर गए या निराश हो गए, लेकिन अब, 2014 के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने देश में जो नई खेल संस्कृति विकसित की है, वह वास्तव में सराहनीय है। हाल ही में, पद्म श्री से सम्मानित और भारतीय बास्केटबॉल की पूर्व कप्तान प्रशांति सिंह ने तेजी से बढ़ते 3X3 प्रारूप पर चर्चा की, जो भारतीय बास्केटबॉल के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। खेल में भारत की संभावनाओं पर बोलते हुए, प्रशांति ने इस बात पर जोर दिया कि 3७3 प्रारूप भारत को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का एक व्यावहारिक मार्ग प्रदान करता है। अर्जुन पुरस्कार विजेता ने कहा किमुझे लगता है कि 3X3 प्रारूप के आने से हमारे लिए यह एक अच्छा अवसर है। हम ओलंपिक में व्यक्तिगत खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं क्योंकि इसमें व्यक्तिगत जवाबदेही होती है। हमें 3X3 प्रारूप के लिए चार खिलाड़ियों की एक टीम बनानी होगी। आप एक अच्छी टीम बना सकते हैं। अगर आपके पास घरेलू स्तर पर 25 से 30 खिलाड़ियों का समूह है, तो आपको विश्व स्तरीय खिलाड़ी मिल जाएगा। मुझे लगता है कि इस प्रारूप से हम वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

## हेमटेक्सटाइल से भारतीय कालीन निर्यात को नई रफ्तार, यूपी बेल्ट के लिए खुली बड़ी कारोबारी संभावनाएं

- **फ्रैंकफर्ट में मजबूत बायर रिस्पॉन्स, ऑर्डर बुकिंग और दीर्घकालिक समझौतों के संकेत**
- **फ्रैंकफर्ट में भारतीय कालीनों की धूम, 50 निर्यातकों की सहभागिता से विदेशी बाजार में बढ़ी माँग : रोहित गुप्ता**

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में आयोजित हेमटेक्सटाइल-2026 भारतीय कालीन उद्योग के लिए निर्यात विस्तार का प्रभावी मंच साबित हुआ है। विश्व के सबसे बड़े होम टेक्सटाइल मेल में भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से संकेत मिलता है कि वर्ष 2026 में कालीन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। इस मेले में भारत से करीब 50 निर्यातकों की भागीदारी रही, जिनमें बड़ी संख्या उत्तर प्रदेश के भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी कालीन क्लस्टर से जुड़ी इकाइयों की थी। खास यह है कि भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों ने एक बार फिर अपनी समृद्ध परंपरा, बेजोड़ कारीगरी और वैश्विक स्वीकार्यता का लोहा मनवाया है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भारत से आए करीब 50 प्रमुख कालीन निर्यातकों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए हैं, जहाँ भारतीय कालीनों को लेकर विदेशी ग्राहकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। 13 से 16



जनवरी तक चले इस आयोजन में भारतीय स्टॉलों पर यूरोप, अमेरिका, लैटिन अमेरिका और खाड़ी देशों से आए खरीदारों की निरंतर आवाजाही रही। खास तौर पर हैंडमेड, इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल कालीनों को विदेशी बाजार में खास सराहना मिली।

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) द्वारा स्थापित भारतीय पैवेलियन (हॉल संख्या 11.1) चारों दिन विदेशी खरीदारों का प्रमुख केंद्र बना रहा। यूरोप, अमेरिका और स्कैंडेनेवियन देशों से आए बायर्स ने सैंपल अप्रूवल, प्राइस नेगोशिएशन और सप्लाई टाइमलाइन पर गहन बातचीत की। कालीन कारोबारियों के अनुसार, कई निर्यातकों को मल्टी-मिलियन डॉलर वैल्यू के संभावित ऑर्डर मिले हैं, जिनकी शिपमेंट अगले 6 से 9 महीनों में होने की संभावना है।

भारत का कालीन निर्यात मुख्यतः हैंडमेड सेगमेंट पर आधारित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी सबसे अधिक मानी जाती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि हेमटेक्सटाइल-2026 के बाद यूरोपीय बाजार में भारतीय कालीनों की मांग में 10 से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी, प्रीमियम और कस्टमाइज्ड सेगमेंट में बेहतर मूल्य प्राप्ति, तथा निर्यात ऑर्डर की लॉन्ग-टर्म विजिबिलिटी में सुधार देखने को मिलेगा।

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आप पर साधा निशाना

**हरियाणा, 16 जनवरी।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना करते हुए उन पर किसान सहायता के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मुख्यमंत्री सैनी ने आप नेताओं के पहले के बयानों का हवाला देते हुए कथित झूठ के पैमाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। सैनी ने दावा किया कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल ने किसानों को दी गई सहायता के बारे में झूठे दावे किए।

सैनी ने कहा कि भगवंत मान कहते हैं कि उन्होंने किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ दिए। गुजरात में, अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि उन्होंने 15,000 रुपये प्रति एकड़ दिए। मुझे आश्चर्य है कि वे इतना बड़ा झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और अअढ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भूमि मुआवजे के संबंध में झूठ बोलकर पंजाब की जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा सरकार ने किसानों को 1,400 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की, और इसकी तुलना पंजाब के कथित विश्वासघात से की। उन्होंने पंजाब के लोगों से भाजपा का समर्थन करने का आग्रह करते हुए कहा कि पंजाब का भविष्य इसी पार्टी के हाथों में है। उन्होंने दावा किया कि मैं पंजाब के लोगों से कहना चाहता हूं कि आपने जो निर्णय लिया, जिस उत्साह से आपने सरकार बनाई, उसने आपको धोखा दिया है। उन्होंने

## कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक अधिवक्ता की मौत

**कौशांबी।** कौशांबी जिले के कोखराज थानाक्षेत्र में शुक्रवार को कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक अधिवक्ता की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक भरवारी नगर पालिका परिषद के देहदानी रमाशंकर केसरवानी नगर निवासी अधिवक्ता सुभाष मौर्य (45) अपरान्ह परसरा गांव के पास एक पेट्रोल पंप से मोटरसाइकिल में तेल भरा कर आ रहे थे, तभी पीछे से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। कोखराज के थाना प्रभारी चंद्रभूषण मौर्य ने बताया कि मृत अधिवक्ता के शव को पोस्टमार्टम ले जाया गया है।

# ईरान, ट्रंप और प्रतिरोध की राजनीति



अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कुछ संघर्ष केवल सीमाओं या संसाधनों तक सीमित नहीं होते, वे विचारधाराओं, सत्ता-संतुलन और नैतिकता की भी परीक्षा लेते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच दशकों से चला आ रहा टकराव ऐसा ही एक संघर्ष है, जो समय-समय पर नए रूपों में सामने आता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान यह टकराव जिस तीव्रता और आक्रामकता के साथ उभरा, उसने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर शीतयुद्धोत्तर दौर की अस्थिरता की याद दिला दी। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही ईरान अमेरिका की रणनीतिक और वैचारिक राजनीति का लक्ष्य रहा है। अमेरिका ने ईरान को केवल एक राष्ट्र-राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक राजनीतिक मॉडल के रूप में देखा–ऐसा मॉडल जो पश्चिमी प्रभुत्व, इजराइल-केन्द्रित पश्चिम एशिया नीति और अमेरिकी साम्राज्यवादी सोच को चुनौती देता है। यही कारण है कि ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक अलगाव और सैन्य दबाव लंबे समय से अमेरिकी विदेश नीति का हिस्सा रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह नीति और अधिक कठोर, असंवेदनशील और टकरावपूर्ण हो गई। 2015 में ईरान और विश्व शक्तियों के बीच हुए परमाणु समझौते (JCPOA) से अमेरिका का एकतरफा हटना न केवल कूटनीतिक असंतुलन का उदाहरण था, बल्कि यह भी दशार्ता था कि ट्रंप प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सहमति और बहुपक्षीयता को किस हद तक नजरअंदाज करने को तैयार था। इसके बाद ईरान पर अधिकतम दबाव नीति लागू की गई, जिसका उद्देश्य ईरानी अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाना और शासन को आंतरिक विद्रोह की ओर धकेलना था। लेकिन इतिहास साक्षी है कि दबाव हमेशा झुकाव पैदा नहीं करता। कई बार वह प्रतिरोध को जन्म देता है। ईरान के मामले में भी यही हुआ। आर्थिक कठिनाइयों, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद ईरान ने अपने राजनीतिक अस्तित्व, संप्रभुता और वैचारिक पहचान को बनाए रखा। यहाँ यह समझना जरूरी है कि ईरान का विरोध केवल अमेरिका की नीतियों से नहीं है, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था से है जिसमें कुछ गिने-चुने देश स्वयं को न्यायाधीश और शेष दुनिया को अभियुक्त मान लेते हैं।

जैसी करनी वैसी भरनीह्न का सिद्धांत केवल नैतिक कहावत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी गहराई से लागू होता है। पश्चिम एशिया में दशकों तक किए गए अमेरिकी हस्तक्षेप–इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया–ने क्षेत्र को स्थिरता नहीं, बल्कि अराजकता दी। लोकतंत्र के नाम पर सत्ता परिवर्तन, मानवाधिकारों के नाम पर सैन्य आक्रमण और आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध के नाम पर निर्दोष नागरिकों की हत्या–इन सबने अमेरिका की नैतिक साख को गहरा नुकसान पहुँचाया। ऐसे में जब ईरान अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देता है, तो वह केवल अपनी रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है, जो ताकत को ही न्याय मानती है। ट्रंप की विदेश नीति का एक और खतरनाक पहलू उसका व्यक्तिवादी और आवेगपूर्ण स्वभाव था। कूटनीति संवाद और धैर्य से चलती है, जबकि ट्रंप की राजनीति ट्वीट, धमकी और शक्ति-प्रदर्शन पर आधारित थी। ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या इसी मानसिकता का परिणाम थी। यह घटना न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी, बल्कि इसने पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया। इसके बाद ईरान की प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह केवल सहने की नीति पर नहीं चल रहा। ईरान की राजनीति को अक्सर पश्चिमी मीडिया में कट्टर, दमनकारी और पिछड़ा बताकर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन यह चित्रण अधूरा और एकांगी है। ईरान की जनता ने बार-बार यह साबित किया है कि वे बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेंगे, चाहे वह कितनी भी आकर्षक शब्दावली में क्यों न लपेटा गया हो। ईरान में सरकार की आलोचना होती है, विरोध होते हैं, लेकिन जब बात राष्ट्रीय संप्रभुता की आती है, तो जनता और सत्ता एकजुट दिखाई देते हैं। यही वह तत्व है जिसे पश्चिमी रणनीतिकार अक्सर समझने में चूक जाते हैं।

भारत जैसे देशों के लिए यह पूरा परिदृश्य एक गंभीर चेतावनी भी है और अवसर भी। ईरान भारत का पारंपरिक मित्र रहा है–ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय संपर्क (चाबहार बंदरगाह) और मध्य एशिया तक पहुँच के लिहाज से ईरान का महत्व असंदिग्ध है। लेकिन अमेरिका के दबाव में भारत का ईरान से दूरी बनाना उसकी स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े करता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को किसी तीसरे देश की नाराजगी के डर से गिरवी न रखे। आज वैश्विक राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पकड़ ढीली पड़ रही है और बहुध्रुवीयता का उदय हो रहा है। ऐसे में ईरान जैसे देश, जो लंबे समय से दबाव और प्रतिबंधों के बीच खड़े रहे हैं, नए शक्ति-संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। रूस-चीन-ईरान के बढ़ते समीकरण इस बदलाव के संकेत हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब दुनिया केवल वाशिंगटन के इशारों पर नहीं चलेगी।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि ईरान सही है या अमेरिका गलत। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या वैश्विक राजनीति में शक्ति ही न्याय का एकमात्र पैमाना होगी, या फिर अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और समानता के सिद्धांतों को वास्तविक सम्मान मिलेगा। यदि बड़े राष्ट्र अपनी करनी से दुनिया को डराते रहेंगे, तो भरनी के रूप में उन्हें अस्थिरता, अविश्वास और प्रतिरोध ही मिलेगा। ईरान और ट्रंप के दौर की अमेरिकी राजनीति हमें यही सिखाती है कि दमन से स्थायित्व नहीं आता, और धमकी से सम्मान नहीं मिलता। इतिहास अंततः उसी का पक्ष लेता है जो अपनी संप्रभुता, आत्मसम्मान और जनता की चेतना के साथ खड़ा रहता है। और शायद यही जैसी करनी वैसी भरनी का सबसे बड़ा राजनीतिक अर्थ है। - डॉ. सत्यवान सौरभ

# स्वास्थ्य सेवाओं को पंगु बनाने का खेल



किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए आम नागरिक को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का निपुण चिकित्सकों द्वारा संचालित किया जाना अपेक्षित होता है। अक्षम और अयोग्य चिकित्सकों के भरोसे स्वास्थ्य सेवाओं को नहीं छोड़ा जा सकता। चिकित्सकों को विशेष रोगों का विशेषज्ञ बनाने के लिए एम.डी. व एम.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश की व्यवस्था है, जिसका माध्यम नीट परीक्षा उत्तीर्ण करना है, जिसमें प्रवेश के लिए अर्हता के मापदंड पूर्व निर्धारित हैं, जिनके अनुसार अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु पचास प्रतिशत तथा आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु चालीस प्रतिशत अंक अनिवार्य थे। इस बार पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु निर्धारित सीटें न्यूनतम अर्हता पूरी न कर पाने के कारण रिक्त रहने का अनुमान है, जिसके चलते स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सामान्य वर्ग के लिए पर्सेंटाइल पचास प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए चालीस प्रतिशत से घटाकर शून्य पर्सेंटाइल कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय भले ही उक्त मानक घटाने के लिए पर्सेंटाइल में कमी को उचित ठहराए, मगर सामान्य समझ का कोई भी व्यक्ति इस निर्णय को तर्कसंगत करार नहीं दे सकता। स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता, फिर सात प्रतिशत या शून्य पर्सेंटाइल पर पीजी में प्रवेश को तर्कसंगत कैसे ठहराया जा सकता है ? विचारणीय बिंदु यह भी है कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवश्यक जनोपयोगी सेवाओं में निपुणता के मानक पूरे किया जाना ही मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए, फिर आरक्षण जैसी विकलांगता से इन सेवाओं को पंगु बनाने का औचित्य ही क्या है , यदि एक बार इस प्रकार की छूट प्रदान करके बिना उचित अर्हता के अभ्यर्थियों को पीजी में प्रवेश दिया गया, तो क्या गारंटी है, कि कोई अक्षम चिकित्सक जनमानस का समुचित उपचार करने में समर्थ होगा ? विडंबना यही है, कि आरक्षण की विकलांगता को इसी प्रकार के अतार्किक निर्णयों से पोषित किया जा रहा है, कहीं शून्य अंक प्राप्त करने वाले व्यक्ति को विषय विशेषज्ञ बताकर शिक्षक बनाया जा रहा है, तो कहीं चिकित्सा जैसे जीवन से जुड़े गंभीर विषय का मखौल उड़ाने से भी परहेज नहीं किया जा रहा है। ऐसे में आवश्यक है, कि जनमानस के जीवन से जुड़े गंभीर मुद्दों को गंभीर मानते हुए ही निर्णय लिए जाएं तथा देश के स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर गुणवत्ता के विरुद्ध कोई भी समझौता न किया जाए। नीट पीजी की परीक्षा में न्यूनतम अर्हता प्राप्त न करने वाले अभ्यर्थियों को पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के लिए दी गई इस छूट पर पुनर्विचार किया जाए। अन्यथा स्वास्थ्य सेवाओं को पंगु बनाने की दिशा में स्वास्थ्य मंत्रालय का यह निर्णय राष्ट्र घातक सिद्ध होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। (डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

# जब गले पड़े पुरस्कार का हो गया 'तिरस्कार '



-निर्मल रानी

प्रसिद्ध हिंदी लेखक, पत्रकार और पटकथा लेखक कमलेश्वर ने सम्मान,एवार्ड अथवा पुरस्कार के विषय पर बातचीत करते हुये एक बार बहुत ही महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि कोई भी 'सम्मान' ग्रहण करने से पहले यह जरूर देखना चाहिये कि सम्मानित करने वाली संस्था या व्यक्ति का स्वयं अपना कितना 'सम्मान' है। ऐसा उन्होंने इसीलिए कहा था कि तमाम लोग व संस्थाएं विशिष्ट लोगों को सम्मानित करने के नाम पर या इसी के बहाने खुद अपनी छवि चमकाने या स्वयं की प्रसिद्धि की खातिर तरह तरह के सम्मान समारोह आयोजित करती रहती हैं। ऐसे में सम्मान या पुरस्कार प्राप्त करने के लिये लालायित रहने वाले लोग तो किसी भी ऐरे गैरे नत्थू खैरे से कोई भी सम्मान लेने पहुँच जाते हैं। यहाँ तक कि सम्मान हासिल करने के लिये तरह तरह की जुगाड़बाजियाँ भी करते हैं। परन्तु स्वाभिमानी लोग या ऐसे सम्मान की वास्तविकता को समझने वाले लोग इसतरह के कथित पुरस्कारों व सम्मानों से दूर रहना ही पसंद करते हैं ।

कुछ ऐसा ही दृश्य पिछले दिनों उस समय देखने को मिला जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा कांग्रेस नेता शशि थरूर को 'सावरकर' के नाम का एक अवार्ड देने की कोशिश की गयी परन्तु शशि थरूर ने इसे लेने से इंकार कर दिया। गौर तलब है कि केरल की 'हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी '(लफ्ज़्ज़ इंडिया) नाम के एक एनजीओ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025' का पहला अवार्ड देने की कोशिश की थी। लफ्ज़्ज़ इंडिया को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस ) या संघ परिवार से संबद्ध माना जाता है। बात बीते वर्ष दिसंबर माह की है, जब केरल-आधारित इस एनजीओ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025' का पहला प्राप्तकर्ता घोषित किया। लफ्ज़्ज़ इंडिया के अनुसार यह पुरस्कार राष्ट्रीय विकास, सामाजिक सुधार और मानवीय कार्यों के लिए दिया जाता है, और इसका नाम विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) के नाम पर रखा गया है, जो भाजपा और संघ परिवार द्वारा सम्मानित व आदर्श पुरुष माने जाते हैं। जबकि कांग्रेस,उदारवादियों और वामपंथी दलों द्वारा उनकी स्वतंत्रता संग्राम में कथित नकारात्मक भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं। यह पुरस्कार सम्मान समारोह 10 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित होना प्रस्तावित था। इस आयोजन का उद्घाटन भी भाजपा के वरिष्ठ नेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया जाना था। संस्था द्वारा इस पुरस्कार हेतु थरूर का नाम उनके राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर हस्तक्षेप और प्रभाव के लिए चुना गया था। परन्तु थरूर ने इस पुरस्कार को स्वीकार करने से यह कहते हुये इंकार कर दिया कि उन्हें इस पुरस्कार की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से मिली थी न कि आयोजकों से।

गौरतलब है कि शशि थरूर इस समय तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद हैं। उन्होंने मीडिया से पूछने पर स्वयं यह स्पष्ट किया कि था कि वे इस पुरस्कार के बारे में नहीं जानते थे और न ही इसे स्वीकार करने की सहमति जताई थी । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करके भी उन्होंने यही कहा कि श्मैं न तो इस पुरस्कार के बारे में जानता था और न ही इसे स्वीकार किया था। आयोजकों द्वारा मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैर -जिम्मेदाराना है। पुरस्कार की प्रकृति, प्रस्तुत करने वाली संस्था या अन्य संदर्भों के बारे में स्पष्टता न होने पर, मैं न तो कार्यक्रम में भाग लूंगा और न ही पुरस्कार स्वीकार करूंगाश्। थरूर ने सावरकर के व्यक्तित्व पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनका इनकार कांग्रेस की वैचारिक स्थिति से जुड़ा माना जा रहा है। कांग्रेस में उनके सहयोगियों का मानना था कि सावरकर के नाम पर पुरस्कार स्वीकार करना पार्टी का अपमान होगा व ऐसा करना पार्टी को शर्मिंदा करेगा। थरूर पहले सावरकर पर किताब लिख चुके हैं और उनका कहना है कि सावरकर का अध्ययन जरूरी है, लेकिन आलोचनात्मक रूप से। उधर HRDS इंडिया के आयोजकों ने इस विषय पर यह दावा किया था कि थरूर को इस पुरस्कार के बारे में पहले से जानकारी दी गई थी और उन्होंने अपनी सहमति भी जताई थी। परन्तु थरूर ने संस्था के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। आखिरकार यह विवाद इतना बढ़ा कि विवाद के बाद न तो सम्मान प्राप्तकर्ता के रूप में शशि थरूर ने कार्यक्रम में शिरकत की ना ही सम्मान देने हेतु रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समारोह में पधारे। परन्तु इस घटना के बाद सावरकर के नाम को लेकर एक बार फिर उनके विवादित व्यक्तित्व को लेकर बहस जरूर छिड़ गयी। गौरतलब है कि संघ व भाजपा सावरकर को 'वीर सावरकर ' कहकर बुलाती है और एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें सम्मान देती है। जबकि कांग्रेस उन्हें ब्रिटिश हुकूमत से मुआफी मांगने वाला व्यक्ति मानती है। निश्चित रूप से शशि थरूर का सावरकर सम्मान लेने से इंकार करना न केवल कांग्रेस में उनकी स्थिति को मजबूत करता है बल्कि वैचारिक रूप से सावरकर की हिंदूवादी राजनीति को भी खारिज करता है।

इस घटना ने संघ व भाजपा परिवार की उस 'चतुराई ' को भी एक बार फिर उजागर कर दिया है जिसके तहत वह कांग्रेस अथवा अन्य धर्मनिरपेक्ष व उदारवादी नेताओं को किसी न किसी बहाने अपने साथ खड़ा हुआ दिखाने की कोशिश करती रहती है। साथ ही ऐसा कर उन्हें कांग्रेस में भी वैचारिक रूप से असहज करने का प्रयास करती है। हालांकि संघ व भाजपा की इस नीति से यह सन्देश भी जाता है कि उनके पास इस स्तर के अपनी विचारधारा रखने वाले नेताओं की भी कमी है। चाहे वह महात्मा गाँधी की हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगाने वाले कांग्रेस नेता सरदार वल्लभ भाई पटेल की गुजरात में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा बनाना हो या फिर जून 2018 में कांग्रेस नेता व पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को संघ के तृतीय वर्ष शिक्षा वर्ग समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नागपुर में आमंत्रित करना।

इसी सिलसिले की एक कड़ी के रूप में शशि थरूर को सावरकर सम्मान के नाम पर दिया गया कथित निमंत्रण भी उन्हें कांग्रेस में असहज करने व वैचारिक रूप से उन्हें अपने पक्ष में खड़ा दिखाने का प्रयास था परन्तु यह प्रयास तब उल्टा पड़ गया जब शशि थरूर ने स्वयं इस 'गले पड़े' पुरस्कार को लेने से इंकार कर उल्टे इस पुरस्कार का ही 'तिरस्कार 'कर दिया।

# मीडिया और लोकतंत्र के बेहतर संतुलन से समाज को नई दिशा



संजीव ठाकुर

मीडिया का भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका है' लोकतांत्रिक समाज में मीडिया की भूमिका केवल सूचना पहुँचाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह समाज की चेतना को दिशा देने, सत्ता को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा करने और जनमानस के विवेक को जाग्रत रखने का दायित्व भी निभाता है। मीडिया वस्तुतः वह आईना है, जिसमें समाज स्वयं को देखता है और सरकार अपनी छवि पहचानती है। इसीलिए मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका इन तीनों स्तंभों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखता है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मीडिया की भूमिका ऐतिहासिक रही है। राष्ट्रवादी चेतना के निर्माण में अखबारों और पत्रिकाओं ने जो भूमिका निभाई, वह किसी भी राजनीतिक आंदोलन से कम नहीं थी। इसी परंपरा के संवाहक, स्वतंत्रता सेनानी और महान पत्रकार स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी ने कर्मवीर के पुनः प्रकाशन (1925) के अवसर पर जो आत्मसंयम और नैतिकता की बात कही थी।वह आज के मीडिया परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो उठती है। उन्होंने लिखा था कि प्रभु करें, इस सेवा में मुझे अपने दोषों का पता रहे और आडंबर, अभियान और आकर्षण मुझे पथ से भटका न पाए। यह वाक्य आज के मीडिया के लिए नैतिक उद्घोषणा की तरह है।

पिछले दो तीन दशकों में मीडिया के स्वरूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रिंट मीडिया से आगे बढ़कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फिर डिजिटल और सोशल मीडिया तक की यात्रा ने सूचना को अत्यंत सुलभ बना दिया है। टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे मंच आज गाँवझ्रगाँव तक अपनी पहुँच बना चुके हैं। परिणामस्वरूप समाज के रहनझ्रसहन, भाषा, व्यवहार, सोच और जीवनशैली पर मीडिया का गहरा प्रभाव पड़ा है। विशेषकर युवा वर्ग, महिलाएँ और बच्चे इस प्रभाव के सबसे संवेदनशील केंद्र बन गए हैं।

मीडिया की शक्ति का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वह जनमत का निर्माण करने में सक्षम है। जनमत के निर्माण से ही समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ होती है चाहे वह जनक्रांति हो या लोकतांत्रिक सुधार। इतिहास गवाह है कि मीडिया के दबाव और खुलासों के कारण कई देशों में सरकारें बदलीं और सत्ता के समीकरण उलट गए। भारत में भी चारा घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, मैच फिक्सिंग जैसे अनेक मामलों में मीडिया ने भ्रष्टाचार के पर्दे हटाकर सत्ता को जवाबदेह बनाया।

यूरोप के प्रसिद्ध पत्रकार जिम मॉरिसन का कथन–जनसंचार माध्यमों पर नियंत्रण करना बुद्धि पर नियंत्रण करना है मीडिया की शक्ति को रेखांकित करता है। इसी तरह नेपोलियन बोनापार्ट का यह कथन भी ऐतिहासिक है कि मैं लाखों संगीनों की अपेक्षा तीन विरोधी समाचार पत्रों से अधिक डरता हूँ। ये वक्तव्य सिद्ध करते हैं कि मीडिया केवल सूचना नहीं, बल्कि सत्ता का संतुलन है। परंतु आधुनिक मीडिया का दूसरा पक्ष भी उतना ही चिंताजनक है। ग्लैमर, टीआरपी की होड़, सनसनी और पीत पत्रकारिता ने मीडिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। पेड न्यूज, विज्ञापन आधारित कंटेंट और कॉर्पोरेट स्वामित्व ने मीडिया को कई बार जनहित से दूर कर दिया है। आज भारत के अधिकांश बड़े मीडिया संस्थानों का स्वामित्व बड़े औद्योगिक घरानों के हाथ में है, जिनके व्यावसायिक हित कई बार निष्पक्ष पत्रकारिता के मार्ग में बाधा बनते हैं।

सरकारें भी मीडिया प्रबंधन पर भारी धनराशि खर्च कर अपनी छवि गढ़ने का प्रयास करती हैं। विज्ञापन, सरकारी प्रचार और सूचना नियंत्रण के माध्यम से मीडिया को प्रभावित करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। दूसरी ओर, मीडिया संस्थानों की आर्थिक मजबूरियाँ भी वास्तविक हैं–क्योंकि मीडिया चलाना अत्यधिक पूंजी, तकनीक और मानव संसाधन की माँग करता है। ऐसे में व्यावसायिक दबाव और नैतिक दायित्व के बीच संतुलन बनाना मीडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

इसके बावजूद, मीडिया का दायित्व समाप्त नहीं होता। लोकतंत्र में निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मीडिया ही जनता का वास्तविक मार्गदर्शक बन सकता है। मीडिया का कार्य केवल मनोरंजन या सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करना है। चुनाव के समय तो मीडिया की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि वही जनता को नीतियों, विचारधाराओं और नैतिक मूल्यों से अवगत कराता है। आज जब समाज तीव्र आधुनिकता के दौर से गुजर रहा है, तब मीडिया को केवल आधुनिकता का वाहक नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का संरक्षक भी बनना होगा। आधुनिकता यदि मानवीय मूल्यों से कट जाए, तो वह केवल उपभोक्तावाद बनकर रह जाती है। मीडिया को यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक और सूचना की गति के साथ-साथ विवेक, संवाद और सत्य की गति भी बनी रहे।

अंततः कहा जा सकता है कि एक स्वतंत्र राष्ट्र में स्वतंत्र, सशक्त और उत्तरदायी मीडिया की नितांत आवश्यकता है। मीडिया यदि लोकतंत्र का प्रहरी है, तो उसे स्वयं भी नैतिक अनुशासन और आत्मालोचना के दायरे में रहना होगा। जब मीडिया समाज की आवाज बने, सरकार को जवाबदेह बनाए और सत्य के पक्ष में निर्भीकता से खड़ा हो–तभी वह अपने चौथे स्तंभ होने की गरिमा को सार्थक कर सकता है।

# पीड़ितों का शास्त्र न बन जाए उमर-शरजील की हिरासत

छह साल पहले राजधानी दिल्ली के उत्तरी-पूर्वी हिस्से के जाफराबाद और मौजपुर में हुए दंगों पर राजनीति थम नहीं रही है। राजनीति तब भी खूब हुई, जब 23 फरवरी 26 फरवरी 2020 के बीच हुए दंगों का घाव बिल्कुल हरा था। इस बार इन दंगों पर राजनीति की वजह पांच जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से आया एक आदेश है, जिसमें इन दंगों के पांच आरोपियों गुलफिशां फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी गई है। इस आदेश को लेकर राजनीति ही नहीं हो रही, प्रकारांतर से देश की सबसे बड़ी अदालत भी निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत ने इन दंगों के आरोपी शरजील इमाम उमर खालिद को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर इन दोनों आरोपियों के पक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ बयानबाजी तेज हो गई। मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए उन्हें जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया।



वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में वामपंथी वैचारिकी उसी तरह से उमड़ पड़ी है। वह दोनों के बारे में यह राय बनाने की भरपूर और प्रभावी कोशिश कर रही है कि दोनों दंगाई नहीं, दंगे के शातिर षड्यंत्रकारी नहीं, बल्कि वे प्रखर बुद्धिजीवी हैं। वामपंथी वैचारिकी यह साबित करने की भी कोशिश कर रही है कि दोनों चूंकि अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय से हैं, और चूंकि केंद्र में हिंदुत्ववादी सत्ता है। इसलिए अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों को दबाया और प्रताड़ित किया जा रहा है। वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात यह विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही है। यह विमर्श खड़ा करके वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात दरअसल दंगाईयों को पीड़ित के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है। दिलचस्प यह है कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत को नकारने के लिए जहां सर्वोच्च न्यायालय को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं बाकी पांच आरोपियों को जमानत दिए जाने के आदेश को जबरदस्ती नेपथ्य में धकेलने की कोशिश की जा रही है। दो लोगों को जमानत ना मिलने को, पांच लोगों को जमानत मिलने की प्रक्रिया के सामने पक्षपाती दिखाया जा रहा है। पांच आरोपियों को मिली जमानत को यह दिखाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा करके सर्वोच्च अदालत ने कोई एहसान नहीं किया है।

वामपंथी वैचारिकी के इस विमर्श का पूरा मकसद यह भुलाना है कि 2020 के दिल्ली दंगे हिंदू-मुस्लिम दंगे नहीं थे। इस विमर्श का लक्ष्य यह भी भुलाना है कि इन दंगों में अधिसंख्य हिंदू समुदाय के लोग मारे गए थे। इस विमर्श का यह भी मकसद है कि इन दंगों के दौरान आईबी के मासूम अधिकारी अंकित शर्मा की हुई हत्या को सामान्य अपराध दिखाने की कोशिश हो रही है। इन दंगों में आधिकारिक रूप से 53 लोग मारे गए थे। दंगा खत्म होने के बाद कई लाशें नाले में बहती मिलीं। जिस तरह उस दौरान दंगे के एक आरोपी आम आदमी पार्टी के तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन के घर पत्थर, हथियार और बड़ी-सी गुलेल मिली, उससे तो यही साबित होता है कि दिल्ली के ये दंगे हिंदू समाज को सबक सिखाने की मुस्लिम समाज के कुछ दंगाइयों की कोशिश थी। इन दंगों की टाइमिंग को भी भुलाना आसान नहीं है। जब ये दंगे हुए थे, उसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का भारत दौरा हुआ था। इन दंगों के जरिए कोशिश यह भी की गई थी कि दंगा के षड्यंत्रकारियों का मकसद ट्रंप की भारत यात्रा को निरस्त कराना, भारतीय राज व्यवस्था को बदनाम करना और इसके जरिए भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना था। इसमें किंचित वे कामयाब भी हुए।

शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में उठती आवाजों का प्रतिकार भी जरूरी है। इन आवाजों की पोल खोलना भी जरूरी है। राष्ट्रवादी धारा के प्रबुद्धजन वामपंथी विमर्श के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, लेकिन जिस तरह कभी वामपंथी वैचारिकी के अगुआओं को देश की मौजूदा व्यवस्था में राजकीय तवज्जो मिल रहा है, उससे प्रखर राष्ट्रवादी वैचारिकी किंचित परेशान भी है और दुखी भी। इसलिए जैसा इस वामपंथी विमर्श का प्रतिकार होना चाहिए, उस स्तर का प्रतिकार नहीं हो पा रहा है। यह तो भला हो कि हिंदुत्ववादी मानस इन दिनों बेहद सचेत हो चुका है। निश्चित तौर पर इसकी वजह मुस्लिम तुष्टिकरण की हकीकत का सामने आना तो है ही, केंद्रीय सत्ता में मोदी की अगुआई में हिंदुत्वादी ताकतों का प्रभावी बनना भी है।

दिल्ली दंगों को लेकर नए विमर्श गढ़ने की कोशिशें होती रहेंगी। जरूरत यह है कि इसका लगातार उचित प्रतिकार तो होते ही रहे, हिंदुत्व विरोधी नैरेटिव के खिलाफ आक्रामक राष्ट्रवादी विमर्श लगातार उठता रहे। इसी अंदाज में होना यह चाहिए कि दिल्ली दंगों को लेकर बार-बार यह कहा जाना चाहिए कि ये हिंदुओं के खिलाफ खुराफाती और शांति विरोधी मुस्लिम सिरफिरों के सुनियोजित अपराध थे। जिसमें 53 लोगों की मौत हुई। इनमें ज्यादातर हिंदु थे। दो सौ से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भी बताने की कोशिश होनी चाहिए कि घायलों में भी ज्यादातर हिंदू ही थे। इसकी भी बार-बार चर्चा होनी चाहिए कि इन दंगों में सिर्फ और सिर्फ हिंदू समुदाय की ही दुकानों और हिंदू समुदाय के ही मकानों को लक्ष्य बनाकर नुकसान पहुंचाया गया। यह भी बताने की कोशिश लगातार जारी रहनी चाहिए कि इन दंगों का एक मकसद तत्कालीन नागरिकता संबंधी कानून में संसद द्वारा किया गया संसोधन भी था। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जारी दुष्प्रचार भी था।

लगातार ऐसा जवाबी विमर्श खड़ा होता रहा तो मुस्लिम समुदाय के शांति विरोधी और अपराधी और दंगाई समर्थक वर्ग की मंशा का खुलासा करना आसान होगा। लगातार जारी ऐसे विमर्श की वजह से हिंदुत्व विरोधी ताकतें जहां एक्सपोज होंगी, वहीं उनके खिलाफ आम मानस उठ खड़ा होगा। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के जरिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाली राजनीतिक धाराएं भी इससे एक्सपोज होंगी। इस प्रक्रिया के लगातार जारी रहने के चलते एक दौर ऐसा भी आएगा, जब छद्म विमर्शकारों के सामने सच को पूरी हकीकत के साथ स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पडेगा।

फिलहाल यह जान लेना चाहिए कि जिन पांच आरोपियो को सर्वोच्च अदालत ने जमानत दी है, उन्हें दो-दो लाख के निजी मुचलके पर रिहा किया गया है। सर्वोच्च अदालत ने इन आरोपियों की जमानत मंजूर करते वक्त बारह कड़ी शर्तें लगाई हैं। अदालत ने कहा है कि ये आरोपी किसी रैली में हिस्सा नहीं ले सकते और पोस्टर नहीं बांट सकते। अदालत ने ताकीद की है कि वे किसी भी कीमत पर अपने खिलाफ चल रहे मामले को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। हालांकि जमानत पर बाहर आए ये पांचों आरोपी लगातार पाडकास्ट कर रहे हैं, समाचार माध्यमों को साक्षात्कार दे रहे हैं। इसके जरिए वे जेल जीवन की विद्रूपताओं को उजागर तो कर ही रहे हैं, राजव्यवस्था को पक्षपाती साबित करने की कोशिश भी कर रहे हैं। जमानत पाए आरोपियों के इन कार्यों का मकसत असल में हिंदुत्ववादी विचारधारा, भारतीय राज व्यवस्था और न्यायव्यवस्था को कठघरे में खड़ा करना है। राष्ट्रवादी ताकतों को अगर इन ताकतों पर पार पाना है तो वामपंथी वैचारिकी के खिलाफ तार्किक हमला करना होगा, भावनात्मक नहीं।

-उमेश चतुर्वेदी

# हिंसक प्रवृत्तियों से ओझल होती मानवता?



-विक्रम दयाल

आजकल हम देखते हैं कि हिंसा और नफरत कि घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं, और मानवता धीरे धीरे ओझल होती जा रही है। लोग एक दूसरे के प्रति संवेदनहीन होते जा रहे हैं, और हिंसा को एकमात्र हल के रूप में देख रहे हैं। हिंसक प्रवृत्तियों के कारणः सामाजिक और आर्थिक असमानताः जब लोगों को लगता है उन्हें न्याय नही मिल रहा है, तो वे हिंसा का सहारा लेते हैं। शिक्षा की कमीः शिक्षा की कमी और गलत शिक्षा हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती हैं। सामाजिक मीडिया का प्रभावः सोशल मीडिया पर हिंसक सामग्री का प्रसार हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। राजनीतिक और धार्मिक मतभेदः राजनीतिक और धार्मिक मतभेद हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हिंसक प्रवृत्तियों से ओझल होती मानवता को बचाने के उपायः- शिक्षा और जागरूकताः शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से लोगों को हिंसा के दुष्परिणामों को बताना चाहिए। सामाजिक और आर्थिक समानताः सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना चाहिए। सामाजिक मीडिया का जिम्मेदार उपयोगः

सोशल मीडिया का जिम्मेदार उपयोग करना चाहिए। संवाद और समझः लोगों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा देना चाहिए । हिंसक प्रवृत्तियों से मानव जीवन पर प्रभावः- मानव जीवन का नुकसानः हिंसा के कारण मानव जीवन का नुकसान होता है, जो कि सबसे बड़ा नुकसान है। सामाजिक और आर्थिक नुकसानः हिंसा के कारण सामाजिक और आर्थिक नुकसान होता है, जो कि देश के विकास को प्रभावित करता है। मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावः हिंसा के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है, जो कि एक गंभीर समस्या है। सामाजिक एकता का टूटनाः हिंसा के कारण सामाजिक एकता टूट जाती है, जो कि देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। हिंसक प्रवृत्तियों को रोकने के उपायः- शिक्षा और जागरूकताः शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से लोगों को हिंसा के दुष्परिणामों को बताना चाहिए। सामाजिक और आर्थिक समानताः सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना चाहिए। सामाजिक मीडिया का जिम्मेदार उपयोगः सामाजिक मीडिया का जिम्मेदार उपयोग करना चाहिए। संवाद और समझः लोगों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा देना चाहिए। कानूनी कार्यवाहीः हिंसा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। *हम हिंसक प्रवृत्तियों से ओझल होती मानवता को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं ?: स्वयं को शिक्षित करें: स्वयं को हिंसा के दुष्परिणामों के बारे में शिक्षित करें। अपने आसपास के लोगों को शिक्षित करें: अपने आसपास के लोगों को हिंसा के दुष्परिणामों के बारे में शिक्षित करें। हिंसा के खिलाफ आवाज उठायें: हिंसा के खिलाफ आवाज उठायें और लोगों को हिंसा के दुष्परिणामों के बारे में बताएं। सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा दें: सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा दें। संवाद और समझ को बढ़ावा दें: संवाद और समझ को बढ़ावा दें।

## 15 जनवरी से 7 फरवरी तक सिकलसेल जांच विशेष पखवाड़ा

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से 15 जनवरी से 7 फरवरी 2026 तक सिकलसेल जांच विशेष पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में घर-घर जाकर सिकलसेल जांच, निदान, उपचार एवं संदर्भ सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी।

इस विशेष अभियान का शुभारंभ 15 जनवरी 2026 को नंडोरे आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पालघर में ह्यअरुणोदय झ सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियानह्ल के रूप में किया गया। कार्यक्रम में जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश सुरलकर, डी.आर.सी.एच.ओ. डॉ. वैदही , नोडल अधिकारी डॉ. दीपक वाणी, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तन्वीर शेख, जिला सिकलसेल समन्वयक इंदल जाधव, सी.एच.ओ. प्रतीक्षा गिरे, तहसील सिकलसेल नोडल अधिकारी अंकिता जाधव सहित आशा सेविकाएं व बीएफ (इऋ) कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम उपसंचालक डॉ. अशोक नांदापूरकर तथा विभागीय नोडल अधिकारी डॉ. सुहास माने के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सिकलसेल प्रभावित 21 जिलों में प्रत्येक नागरिक की सिकलसेल जांच करने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में पालघर जिले के नागरिकों से इस विशेष अभियान का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की गई है। सिकलसेल एक अनुवांशिक एवं गंभीर रक्त रोग है, इसलिए नागरिकों को सिकलसेल सोल्यूबिलिटी टेस्ट अवश्य करवाने का आह्वान किया गया। सिकलसेल रोग के प्रमुख लक्षणों में रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी, भूख न लगना, हाथ-पैरों में सूजन, जोड़ों में दर्द, तीव्र वेदना, जल्दी थकान तथा चेहरे पर निस्तेजता शामिल हैं। इन लक्षणों की समय रहते पहचान अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने बताया कि सिकलसेल रोग की समय पर जांच और उचित उपचार से रोगी स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन जी सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि विशेष पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा की जा रही जांच में पूरा सहयोग करें तथा आवश्यक जानकारी प्रदान कर जांच प्रक्रिया को सुगम बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के इस महत्वाकांक्षी अभियान का लाभ उठाकर सिकलसेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि समाज को स्वस्थ और निरोगी बनाया जा सके।

## नई टाटा पंच के साथ मैक्स कमांड

**मुंबई।** टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी), भारत की कारों और एसयूवी की प्रमुख निमार्ता कंपनी, ने आज भारत की सबसे पसंदीदा एसयूवी को एक बिल्कुल नए, ज्यादा तेज, ज्यादा स्मार्ट और ज्यादा बोल्ड अवतार में लॉन्च करने की घोषणा की है। नई टाटा पंच में बेजोड़ पावर, बेहतर आराम, अत्याधुनिक तकनीक और मस्कुलर स्टाइलिंग को अपनी अनोखी सिग्नेचर कमांड मैक्स के तहत जोड़ा गया है और यह केवल 5.59 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। अक्टूबर 2021 में अपने डेब्यू के साथ सबकॉम्पैक्ट एसयूवी श्रेणी का नेतृत्व करने वाली और अब तक लगभग सात लाख ग्राहकों का भरोसा जीत चुकी नई टाटा पंच उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित करने की अपनी विरासत को आगे बढ़ाती है। यह एसयूवी दो उन्नत पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिनमें 1.2 लीटर टर्बोचार्ज्ड रेवोट्रॉन इंजन शामिल है, जो श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पावर-टू-वेट रेशियो के साथ रोमांचक प्रदर्शन और बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। इसके साथ ही, यह अपनी श्रेणी की पहली एसयूवी है जिसमें ट्विन-सिलेंडर, उठऋ तकनीक को अटळ गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, जो उत्कृष्ट ईंधन दक्षता के साथ-साथ अधिक सुविधा और सहज ड्राइविंग का अनुभव देती है। ऑल-न्यू टाटा पंच को लॉन्च करते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, पंच हमेशा से भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं का आईना रहा है। यह एक फीचर से भरपूर पैकेज के साथ एसयूवी का अनुभव सभी के लिए आसान बनाता है, जिसकी वजह से यह भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी में से एक बनी।

## कोरमा प्रेतशिला मैदान में भव्य जनता अभिनंदन समारोह सह कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

**मुंबई/गया (बेलागंज)।** कोरमा प्रेतशिला मैदान में गुरुवार को बेलागंज विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक मनोरमा देवी के नेतृत्व में जनता अभिनंदन समारोह सह कंबल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे हुआ, जिसमें बेलागंज विधानसभा के विभिन्न इलाकों से 25,000 से अधिक लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं वृद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक मनोरमा देवी एवं उनके पुत्र, युवा समाजसेवी रॉकी यादव द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल प्राप्त करने के उपरांत सभी आगंतुकों के लिए मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चूड़ा एवं तिलकुट का सामूहिक भोज भी कराया गया। इस मानवीय पहल से ठंड के मौसम में लोगों के चेहरों पर खुशी और सुकून साफ झलकता रहा। उपस्थित लोगों ने विधायक एवं उनके परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए दुआएं दीं।

# देवेंद्र फडणवीस और रविंद्र चव्हाण महानगरपालिका चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के धुरंधर शिल्पकार

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** महानगरपालिका चुनावों के नतीजों से यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा प्रस्तुत विकसित महाराष्ट्र के विचार और प्रचार को राज्य की जनता ने पूरे उत्साह के साथ समर्थन दिया। इसी के साथ शहरी मतदाता की नब्ज को बखूबी समझने वाले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के विचारधारा के साथ खड़े रहने के आह्वान को भी मतदाताओं ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया, जो परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। पिछले वर्ष जनवरी में रविंद्र चव्हाण ने जब भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी, तब उन्होंने राज्य में डेढ़ करोड़ प्राथमिक सदस्यों का लक्ष्य पूरा किया था। उसी समय उन्होंने आधी लड़ाई जीत ली थी, यह बात आज की इस शानदार जीत से साफ हो गई है।

भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो नीतियां बनाती भी है और उन्हें जमीन पर लागू भी करती है। चुनावी रणनीति, टिकट वितरण, सभाओं की योजना के साथ-साथ विपक्ष की ताकत और कमजोरियों को परखने की क्षमता भाजपा की देवेंद्र और रविंद्र की जोड़ी के पास है। सरकार और भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश संगठन के बीच बेहतर समन्वय के कारण यह अभूतपूर्व सफलता मिली है, ऐसा राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के रूप में रविंद्र चव्हाण ने अपने अध्यक्षीय भाषण में यह स्पष्ट किया कि वे पार्टी के लिए हर तरह का त्याग करने को तैयार हैं। उनके रूप में भाजपा को एक ऐसा अध्यक्ष मिला है, जो सड़क पर उतरकर आंदोलन करने वाला और मिट्टी से

जुड़ा हुआ कार्यकर्ता है। चुनाव के दौरान उनके बयानों और पहनावे को लेकर हुई व्यक्तिगत आलोचनाओं से रविंद्र चव्हाण बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। उलटे उन्होंने विपक्ष को जनता के लिए गैरजरूरी मुद्दों में उलझाकर भाजपा के लिए जीत का रास्ता और आसान कर दिया। विपक्ष द्वारा की गई व्यक्तिगत टीकाओं की जनता की नजर में कोई खास कीमत नहीं है, यह भी इन चुनावों से साफ हो गया। अपने 25 वर्षों के राजनीतिक सफर में रविंद्र चव्हाण हर आलोचना के बाद और एक कदम आगे बढ़ते ही दिखाई दिए हैं। लगातार संघर्ष करते हुए सफलता हासिल करने वाले रविंद्र चव्हाण जैसे नेता को महाराष्ट्र की जनता ने अभी पूरी तरह से देखा या समझा नहीं है और न ही राजनीतिक विश्लेषकों ने उनका गहराई से अध्ययन किया है। आज की भाजपा की जीत के साथ यह स्पष्ट हो गया है कि रविंद्र चव्हाण महाराष्ट्र की राजनीति में एक परिपक्व और अनुभवी नेता के रूप में उभरे हैं। देवेंद्र फडणवीस, रविंद्र चव्हाण की ताकतों से भली-भांति परिचित हैं। पार्टी के लिए 24 घंटे समर्पित अध्यक्ष के रूप में उनका महत्व फडणवीस अच्छी तरह जानते हैं। शहरी महाराष्ट्र की राजनीति का चव्हाण का अनुभव और उनकी हमेशा चुनाव के लिए तैयार यानी इलेक्शन रेडीनेस वाली कार्यशैली को भी देवेंद्र फडणवीस पहचानते हैं। इसके अलावा, ढाई वर्षों तक सार्वजनिक बांधकाम मंत्री के रूप में काम करते हुए रविंद्र चव्हाण ने पूरे महाराष्ट्र का दौरा किया और विभाग के माध्यम से विकास कार्य करते हुए जिन कार्यकताओं और लोगों को पहचाना और जोड़ा, वे आज भाजपा के लिए बेहद उपयोगी साबित हुए हैं। आज भाजपा की इस भव्य और ऐतिहासिक जीत के शिल्पकार के रूप में देवेंद्र फडणवीस का सर्वांगीण नेतृत्व जितनी मजबूती से मीडिया के सामने आया है, उतना ही प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की रणनीतिक क्षमता और दूरदर्शिता महाराष्ट्र के सामने तब और स्पष्ट होगी, जब पूरी जीत के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे।

## प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व की विजय : आचार्य पवन त्रिपाठी

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति को मिली प्रचंड विजय पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुंबई भाजपा के महामंत्री तथा श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि यह ऐतिहासिक विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी विजन और महाराष्ट्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कुशल नेतृत्व की विजय है। उन्होंने कहा कि मुंबई के मतदाताओं ने विकास और स्वर्णिम भविष्य को प्राथमिकता देते हुए महायुति के पक्ष में संगठित होकर मतदान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा मुंबई अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम ने जिस तरह से कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया और जनता के बीच हमेशा खड़े रहे, उसके चलते महायुति के प्रति लोगों में विश्वास बढ़ा। आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि यह पार्टी के प्रति समर्पित निस्वार्थ कार्यकताओं की महा विजय है। विकास और विश्वास के प्रति समर्पित भाजपा का विजय रथ निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

## राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ की ओर से आयोजित शिव महापुराण कथा सप्ताह हवन व भंडारे के साथ संपन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** शिव ही सत्य हैं और सत्य ही सुंदर है – इस दिव्य संदेश के साथ औघड़दानी भगवान शिव की महिमा पर आधारित शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह हवन व भंडारे के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन सामाजिक संस्था राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ, पालघर इकाई के तत्वावधान में किया गया।

यह धार्मिक आयोजन राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली के मार्गदर्शन में पालघर जिले के बोईसर शहर, प. गंगोत्री होटल के सामने सालवड स्थित चिल्ड्रन पार्क, शिव-हनुमान मंदिर के समीप निर्मित भव्य पंडाल में आयोजित किया गया। शिव

महापुराण कथा का रसपान तीर्थराज प्रयागराज से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. नरेंद्र नाथ व्यास जी एवं उनके भ्राता के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की महिमा, शिव तत्व का गूढ़ आध्यात्मिक ज्ञान तथा जीवन को दिशा देने वाले उपदेश प्रदान किये गये।

कथा सप्ताह के समापन अवसर पर 12 जनवरी, सोमवार को प्रातः हवन-पूजन संपन्न हुआ, जिसके पश्चात विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी दिन सायंकाल ह्यश्री खाटू श्याम एवं गौमाता के नामह्ल समर्पित गौऋषि की विराट भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर देर तक भजनों का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा प्रस्तुत 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन एवं उनके आध्यात्मिक महत्व की जानकारी रही, जिसने शिवभक्तों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पदाधिकारियों ललित माली, यजुर्वेद सावे, एस. एस. तिवारी, रोहित सिंह, लक्ष्मण वेदाडे, प्रेम अग्रवाल, मुकेश पिंपले, पिंटू मिश्रा, विनोद कुमार शर्मा, भीम गढ़वी आदि पदाधिकारियों व कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

## शक्ति के देवता बजरंगबली की तस्वीर भेंटकर कृपाशंकर ने दी मुख्यमंत्री को बधाई

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री तथा लोकप्रिय उत्तर भारतीय नेता कृपाशंकर सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर, उन्हें शक्ति के देवता बजरंगबली की तस्वीर भेंटकर हार्दिक बधाई दी। कृपाशंकर ने कहा कि यह प्रचंड जनादेश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शितापूर्ण विजन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सुशासन , विकास और मजबूत नेतृत्व में जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीय एक परिश्रमी कौम है, जो अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और

सहयोग देने की प्रवृत्ति पर विश्वास रखती है। महाराष्ट्र के उत्तर भारतीय समाज ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किए गए विकास कार्यों पर पूरा भरोसा जताते हुए न सिर्फ मुंबई महानगरपालिका में अपितु मीरा भायंदर, ठाणे, नवी मुंबई,पालघर समेत अन्य महानगरपालिकाओं में भी भाजपा के पक्ष में संगठित रूप से मतदान किया। इस अवसर पर मुंबई युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष शिवम सिंह भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भी प्रचंड विजय के लिए मतदाताओं का आभार मानते हुए कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के लिए संकल्पित है।

## एड. दीपक सावले ने 65 वर्ष की आयु में एलएलएम की उपाधि प्राप्त कर रचा इतिहास

**पालघर(उत्तरशक्ति )।** पालघर शहर के प्रसिद्ध, अनुभवी एवं सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता दीपक चिंतामण सावले ने 65 वर्ष की आयु में शिक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल कायम करते हुए पालघर स्थित सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय से एलएलएम (मास्टर ऑफ लॉ एंड लेजिस्लेशन) की उपाधि उत्कृष्ट अंकों के साथ सफलतापूर्वक प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि न केवल विधि क्षेत्र बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बनकर सामने आई है।करीब चार दशकों से अधिक समय से न्यायालयीन कार्य में सक्रिय अधिवक्ता सावले ने एलएलएम के सभी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से किसी भी आयु में लक्ष्य प्राप्त किया जा

सकता है। उनकी इस सफलता से कानून की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों और युवाओं में नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता सावले ने कहा कि 65 वर्ष की आयु में पुनः छात्र जीवन में प्रवेश करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और महाविद्यालय के प्राध्यापकों के सतत मार्गदर्शन ने इस सफर को सफल बनाया। आगे भी मैं सामाजिक न्याय की स्थापना और विधि क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा। एलएलएम अध्ययन के दौरान अधिवक्ता सावले ने अपने वर्षों के व्यावहारिक अनुभव को अकादमिक ज्ञान से जोड़ते हुए न्याय प्रणाली से संबंधित जटिल एवं समकालीन कानूनी विषयों पर गहन अध्ययन किया। इससे उनकी विधिक दक्षता और भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस उल्लेखनीय सफलता पर उनके परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों, सहकर्मी अधिवक्ताओं एवं सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयाँ दी हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1987 से लगातार न्यायालयीन सेवा दे रहे अधिवक्ता दीपक चिंतामण सावले की यह उपलब्धि यह स्पष्ट संदेश देती है कि शिक्षा और सीखने की कोई उम्र नहीं होती, और समर्पण से हर सपना साकार किया जा सकता है।

## केसीएन क्लब वेटरन्स भारत का 18वां राष्ट्रीय सम्मेलन व सैनिक सम्मान समारोह सम्पन्न

**मुंबई(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र के मराठवाड़ा भाग अंतर्गत राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब (केसीएन क्लब) का 18वां राष्ट्रीय सम्मेलन व सैनिक सम्मान समारोह कार्यक्रम, सैनिक कल्याण व आत्मसम्मान, पूर्व सैनिकों का समाज के प्रति जवाबदेही आदि विषयों पर चर्चा सहित विभिन्न कार्यक्रम केसीएन क्लब की पूर्व सैनिक शाखा वेटरन्स भारत द्वारा दो दिवसीय आयोजन के साथ परभणी जिले के सोनपेठ तहसील अंतर्गत डिघोल ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न हुई। सम्पूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट भाऊराव पुंडलिक तायड़े ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोनपेठ पोलिस स्टेशन के सहायक पोलिस निरीक्षक विनोद चव्हाण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केसीएन क्लब अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, वेटरन्स भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ भोलानाथ सिंह ननवग ,वेटरन रामशरण गुप्ता , कैप्टन सुरेश सूर्यवंशी, लेफ्टिनेंट रमेश शकरराव काकड़े, कैप्टन उस्मान शेख, कैप्टन बाबासाहेब मोराडे, कैप्टन जलिन्दर पिसाल, कैम्पन नामदेव चोले, कैप्टन गौतम गायकवाड़, कैप्टन दिगम्बर वाघमारे, सूबेदार तुकाराम तलेकर ऑन ड्यूटी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सम्मान समारोह का संयोजन वेटरन्स भारत के नवनियुक्त महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अंकुश

बालासाहेब शिंदे ने किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण 11 जनवरी 2026 वेटरन डे को आयोजन के प्रारंभ में 2017 में सैनिक सेवा अंतर्गत शहीद हुए गाँव के सूबेदार छोटूलाल डूबे के शहीद स्मारक पर पुष्प हार अर्पित कर राष्ट्रगीत सहित पूर्व सैनिकों ने सलामी दे कर की गई, ततपश्चात डिघोल प्राथमिक विद्यालय के समक्ष ग्राम पंचायत के सरपंच अजय कुमार देशमुख द्वारा नारियल तोड़कर व पूर्व सैनिकों द्वारा फीता काटकर #तिरंगायात्रा निकाल कर ग्रामस्थो व युवाओं को देश सेवा के प्रति जागरूक किया गया। तिरंगा यात्रा समापन के बाद सभी अतिथियों, पूर्व सैनिकों, शिक्षक, पत्रकार, चिकित्सक, किसान व ग्राम पंचायत कर्मचारियों को सम्मान पत्र, सम्मान चिन्ह शॉल श्रीफल पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कळंब तहसील मस्सा खंडेश्वरी ग्राम पंचायत के नम्बर वन खेती करने वाले किसान मारुती गणपतराव थोरात को व किसानों के माल बाजार तक पंहुचाने वाले लक्ष्मण गणपतराव थोरात को विशिष्ट किसान सहायक सम्मान व पारितोषिक व सम्मान चिन्ह शॉल श्रीफल पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सहायक पुलिस निरीक्षक विनोद चव्हाण ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए केसीएन क्लब के उद्देश्य को समाजोपयोगी बताया लोगो को देश सेवा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। वही राष्ट्रीय अध्यक्ष वेटरन्स भारत डॉक्टर भोलानाथ सिंह ननवग ने सभी को अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाने व अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही गई। राष्ट्रीय महासचिव वेटरन्स भारत एडवोकेट भाऊराव पुंडलिक तायड़े ने लोगो की समस्याओं पर अपने विचार रखे उन्होंने सभी को आपसी सामंजस्य स्थापित करने पर जोर दिया ।

## कामत्स लेगेसी में पोंगल पर विशेष फेस्टिव मैन्यू

**मुंबई।** इस पोंगल पर, 'कामत्स लेगेसी' अपने ग्राहकों के लिए दक्षिण भारत का असली और स्वादिष्ट स्वाद लेकर आया है। 14 से 18 जनवरी तक मीरा रोड, वाशी, मलाड और नरीमन पॉइंट स्थित इनके सभी आउटलेट्स पर एक विशेष फेस्टिव मैन्यू उपलब्ध होगा। अपनी बेहतरीन दक्षिण भारतीय कुजीन के लिए मशहूर कामत्स लेगेसी ने इस बार पोंगल के लिए एक खास अनुभव तैयार किया है। यहाँ मेहमान पारंपरिक 'वेन पोंगल' का आनंद ले सकते हैं। साथ ही, उत्सव के दौरान नाश्ते, दोपहर और रात के भोजन के लिए कई स्वादिष्ट विकल्प इस मैन्यू में शामिल किए गए हैं। इस अवसर पर द विट्स कामत्स ग्रुप के संस्थापक और एमडी, डॉ. विक्रम कामत ने कहा, ₹पोंगल खुशहाली का त्यौहार है। कामत्स लेगेसी में हमारी कोशिश है कि हम अपने मेहमानों को दक्षिण भारत की सांस्कृतिक विरासत और वहां के स्वादिष्ट जायके से रूबरू करा सकें। हमारा यह फेस्टिव मैन्यू दक्षिण भारतीय परंपराओं की गर्माहट को दशार्ता है। कामत्स लेगेसी के वीपी (ऑपरेशंस), पंकज देवकर ने बताया, यहाँ हर डिश को पारंपरिक रेसिपी के साथ बनाया गया है।

हमारा लक्ष्य मेहमानों को एक ऐसा भोजन अनुभव देना है जो पोंगल की असली भावना को समेटे हुए हो। फेस्टिव मैन्यू का सबसे बड़ा आकर्षण 'गुड़ वाला पोंगल' है, जिसे इलायची और काजू के साथ तैयार किया गया है। इसके अलावा, मेहमान साल्टेड और क्रिस्टल शुगर पोंगल, चने की दाल और केले के फूल से बना वड़ा, मिक्स वेजिटेबल सांभर, सहजन और कद्दू की पोरियल, और मिक्स वेजिटेबल कूटू जैसे व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं।

## व्हील ऑफ फॉर्च्यून को होस्ट करेंगे अक्षय कुमार, 27 जनवरी को

**मुंबई/पटना।** विश्व स्तर पर मशहूर शो - व्हील ऑफ फॉर्च्यून अब 27 जनवरी, 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर भारत में लॉन्च हो रहा है। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करने वाले हैं। आइकॉनिक स्टार की टेलीविजन पर इस शो के जरिए बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। यह शो 27 जनवरी से शुरू होगा और सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा, जिसकी स्ट्रीमिंग सोनी लिव पर भी उपलब्ध होगी, जो दर्शकों को हर रात मनोरंजन, रोमांच और शब्दों के खेल का एक रोमांचक मिश्रण देने का वादा करता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के सबसे लोकप्रिय टीवी गेम शो के रूप में मान्यता प्राप्त और आउटस्टैंडिंग गेम शो के लिए डे टाइम एमी अवार्ड से सम्मानित, व्हील ऑफ फॉर्च्यून ने दुनिया भर में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# घर के गेट पर खंभे से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका से हड़कंप

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के बरजी गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव उसके ही घर के अर्धनिर्मित गेट के खंभे से गमछे के सहारे बंधा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान गांव निवासी सुनील राजभर (25) के रूप में हुई है, जो गांव में चिकित्सक के रूप में कार्य करता था। सुबह उसके घर के गेट के पिलर से शव लटका देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस को स्वजनों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। स्वजन शव को कब्जे में लेने नहीं दे रहे थे और हत्या की आशंका जता रहे थे। काफी मशक्कत के बाद दो थानों की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

स्वजनों का आरोप है कि सुनील को देर रात करीब 12 बजे किसी का फोन आया था, जिसके बाद वह घर से निकल गया, लेकिन वापस नहीं लौटा। उनका कहना है कि उसकी हत्या कर शव को गेट पर लटका दिया गया है, ताकि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो। वहीं ग्रामीणों के अनुसार शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा था कि युवक का गला कसा गया है, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि युवक का शव गेट से लटका हुआ पाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्ण पुलिस कार्यवाही के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

## अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए पुलिस बल का दुरपयोग कर रही है भाजपा सरकारः डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बनारस में बीते दिनों कांग्रेस पार्टी छात्र संगठन एनएसयूआइ के कार्यकर्ताओं द्वारा एसआईआर, वोट चोरी और मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ किये जा रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन को पुलिस बल द्वारा जबरन लाठीचार्ज और एनएसयूआइ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के खिलाफ की गयी अमानवीय कार्यवाही के खिलाफ आक्रोशित कांग्रेसियों ने कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से निरंकुश और तानाशाह हो चुकी है, पुलिस का दुरपयोग शांति पूर्ण धरना-प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ करके अपनी दमनकारी नीतियों का प्रदर्शन कर रही है, मोदी योगी सरकार की इस फिरंगी मानसिकता के सामने कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता मजबूती के साथ लोकतंत्र, संविधान और जनता के हितों की लड़ाई लडने में जरा सा भी पीछे नहीं होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि केन्द्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार अपनी नाकामियों और असफलताओं को छुपाके लिए विपक्षी नेताओं के घर पुलिस भेजकर उन्हें डराने धमकाने का काम कर रही है, जौनपुर सहित प्रदेश के सभी जनपदों में कांग्रेस कार्यकताओं के घर पुलिस भेजकर उन्हें और उनके परिवार के खिलाफ जबरन कार्यवाही करने का भय दिखाकर अपने खिलाफ उठने वाली

आवाजों को दबाना चाहती है। डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि जनता भाजपा के दमनात्मक नीति को जान चुकी है, सरकारी संस्थाओं और पुलिस के दुरपयोग की पोल चुकी है, देश की जनता मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ सड़क पर उतर चुकी है, वोट चोरी और एसआईआर के माध्यम से मोदी सरकार द्वारा लोकतंत्र की डकैती के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है। डरी हुई सरकार पुलिस के दुरपयोग से कांग्रेस के आंदोलनों के दबाकर लोकतंत्र को खत्म कर रही है। कांग्रेस कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, देव राज पांडेय, विनय तिवारी, मनरेगा कोऑर्डिनेटर डॉ. राकेश मिश्रा मंगल गुरु, लाल प्रकाश पाल, प्रवक्ता अनिल दूबे आजाद, राकेश सिंह डब्बू, देवराज पांडेय आरिफ सलमानी, इरशाद खान राजू, अरुण शुक्ला, अनिल सोनकर, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप सोनकर, राष्ट्रीय छात्र संगठन जिला अध्यक्ष सृजन सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के ज़िलाध्यक्ष संजय माली, आदिल अली, रमेश चंद्र पाल,अरविंद यादव महात्मा प्रसाद शुक्ला, आदि सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमार्पुर के पुनर्निर्माण भवन का किया भूमि पूजन

## कार्यदायी संस्था को समय सीमा के अंदर निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विधायक ने दिया निर्देश

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधायक जगदीश नारायण राय ने ब्लॉक परिसर धमार्पुर

स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पुनः निर्माण भवन का स्थानीय लोगो की उपस्थिति में भूमि पूजन किया। शुक्रवार को दोपहर में धमार्पुर ब्लॉक परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन के पुनः निर्माण का विधिवत भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद विधायक ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धमार्पुर पीएचसी एकदम जर्जर अवस्था मे हो गया था ऐसे स्थिति में अब यहां के प्रभारी और स्टाफ के लिए एक मुख्य पीएचसी भवन के साथ- साथ टाइप टू के लिए दो आवास, ई एम ओ के लिए एक आवास, कैंपस में इंटर लॉकिंग आदि का निर्माण एक प्रमुख कार्यदाई संस्था द्वारा किया जाएगा। विधायक ने बताया कि इस पूरे भवन निर्माण का बजट 2 करोड़ 56 लाख 90 हजार रुपए है। विधायक ने कार्यदायी संस्था के ठेकेदारों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण कार्य को समय सीमा के अंदर पूर्ण करने के लिए निर्देश दिया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख विमलेश यादव, बीडीओ कृष्ण मोहन यादव, पीएचसी अधीक्षक डॉ इंद्रजीत यादव, डॉ धर्मेंद्र सिंह, नीरज यादव नरेंद्र यादव ग्राम प्रधान फौजी अनिल यादव, जय प्रकाश सिंह, सुरेंद्र प्रताप यादव, विनोद कुमार यादव, राकेश रोशन, सुनील कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

# गोदान ट्रेन से गिरकर अधेड़ की दर्दनाक मौत, बरसठी स्टेशन के पास पटरी पर मिला शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई से जौनपुर की ओर जाने वाली गोदान एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर एक अधेड़ व्यक्ति की कटकर मौत हो जाने का मामला सामने आया है। यह घटना प्रयागराजझझौनपुर रेल प्रखंड मार्ग पर बरसठी रेलवे स्टेशन अंतर्गत हशिया गांव के पास की बताई जा रही है, जहां रेलवे पटरी पर शव पड़ा मिला। जानकारी के अनुसार, गोदान ट्रेन के गुजरने के कुछ समय बाद प्रयागराज संगम स्नान के लिए चलाई जा रही प्रयागराजझझौनपुर मेमो ट्रेन उसी मार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान मेमो ट्रेन के चालक की नजर पटरी पर पड़े शव पर पड़ी। चालक ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन को रोक दिया और जीआरपी जंघई को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही जीआरपी जंघई तथा स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि मृतक गोदान एक्सप्रेस से अपने घर की ओर यात्रा कर रहा था और संभवतः संतुलन बिगड़ने या किसी अन्य कारण से ट्रेन से गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

# क्षेत्राधिकारी मडियाहूं ने नवनिर्मित पुलिस चौकी का किया उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नूरपुर में नवनिर्मित नूरपुर पुलिस चौकी का उद्घाटन डॉक्टर कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक के देखरेख में परमानंद कुशवाहा क्षेत्राधिकार मडियाहू के हाथों उद्घाटन किया गया। फिता काटकर परमानंद कुशवाहा ने बताया कि सुरेरी थाने की दूरी 4 किलोमीटर नेवढिया थाने की दूरी 5 किलोमीटर दूरी है। यह पुलिस चौकी जोड़ता है सुरक्षा के दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्र सुरेरी थाना द्धारा नूरपुर पुलिस चौकी का स्थापना 15 जनवरी 2026 को किया गया। क्षेत्र के श्री श्री 108 ईश्वर महंत दास महाराज महामंत्री साधु समाज भारतवर्ष के सानिध्य में तथा पंडित सोनू बाबा काशी वाले पंडित सोमेश्वर दुबे ग्राम शेरवा जिला भदोही भावी प्रत्याशी ब्लॉक प्रमुख आशुतोष सिंह, सिठूपुर वीरेंद्र सिंह, अभिषेक सिंह, समाजसेवी विनय सिंह, बसुपुर वाले पूर्व प्रधान अरविंद उपाध्याय, बीजेपी नेता राजेंद्र श्रीवास्तव, बीजेपी के महामंत्री जिला सुभाष गुप्ता, प्रबंधक नूरपुर पुलिस चौकी की देखरेख करने वाले नीरज गुप्ता, परमिंदर सिंह शिक्षक, पुलिस के जवान हेड कांस्टेबल मुकेश सिंह, कांस्टेबल अश्विनी यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, कांस्टेबल चंद्रकांत मौर्य, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल शिव शंकर यादव, कांस्टेबल सत्येंद्र कुमार कश्यप, एसआई उमाशंकर यादव, एसआई लाल मोहर, एसआई नंदलाल चौबे, सत्य प्रकाश पटेल, हेड कांस्टेबल रविंद्र गुप्ता, हेड कांस्टेबल अखिलेश गौड़, रवि प्रकाश यादव, ग्राम प्रधान नूरपुर अरविंद पटेल क्षेत्र के तमाम लोग उपस्थित थे।

# सोनू कश्यप हत्याकांड की सीबीआई नहीं, सीआईडी जांच हो: भारतीय मानव समाज पार्टी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेरठ जनपद के सरधना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ज्वालागढ़ गांव में कश्यप समाज के युवक सोनू कश्यप की नृशंस हत्या को लेकर प्रदेश में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में भारतीय मानव समाज पार्टी ने इस जघन्य हत्याकांड की सीआईडी जांच कराए जाने की मांग की है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक केवट रामधानी बिंद ने बताया कि सोनू कश्यप की पहले बेरहमी से पिटाई की गई और उसके बाद उसे जिंदा जलाकर मौत के घाट उतार दिया गया। यह घटना न केवल मानवता को शर्मसार करने वाली है, बल्कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

उन्होंने कहा कि इतने गंभीर अपराध के बावजूद अब तक केवल एक आरोपी की गिरफ्तारी यह

दशार्ती है कि मामले में संलिप्त अन्य दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सिर्फ एक युवक की हत्या नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की खुली हत्या है।

भारतीय मानव समाज पार्टी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष सीआईडी जांच कराई जाए, सभी दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर अपराधियों को कठोरतम सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

साथ ही पार्टी ने मृतक सोनू कश्यप के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी मांग की है, जिससे पीड़ित परिवार का भरण-पोषण सुनिश्चित हो सके।

पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो संगठन प्रदेश स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा।

# रिजर्व पुलिस लाइन में एसपी ने ली परेड की सलामी, फिटनेस व अनुशासन पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक, जौनपुर डॉ०कौशतुंभ द्वारा शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन,

जौनपुर में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई। इसके पश्चात परेड का विधिवत निरीक्षण कर अनुशासन, एकरूपता एवं शारीरिक दक्षता का गहन परीक्षण किया गया।

परेड के दौरान समस्त प्रशिक्षु आरक्षियों की शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस को परखने के उद्देश्य से दौड़ कराई गई, वहीं अनुशासन एवं समन्वय बनाए रखने हेतु ड्रिल का अभ्यास भी कराया गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौशतुंभ ने परेड में सम्मिलित प्रशिक्षु आरक्षियों को साफ-सुथरी, स्वच्छ एवं नियमानुसार वर्दी धारण करने तथा बेहतर टर्नआउट बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शाखाओं के कार्यों, व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा की गई। तत्पश्चात आदेश कक्ष में उपस्थित कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया, जिसमें उनकी समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौशतुंभ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही जनपद की पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

# तीन वर्षीय बालक की संदिग्ध मौत के मामले में एक युवती गिरफ्तार

- शव को कब्र से निकालकर हुए पोस्टमार्टम के बाद हत्या की पुष्टि, दर्ज हुआ मुकदमा
- मृतक की मां की शिकायत पर हुई कार्रवाई, आरोपी को घर के सामने से दबोचा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव थाना क्षेत्र के ग्राम चेवारपुर पूरब (मुसऊपुर) में 3 वर्षीय बालक की संदिग्ध मृत्यु के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। यह घटना 13 दिसंबर 2025 की है, जब बालक का शव उस स्थान पर मिला था, जहां भैंसें बांधी जाती हैं। उस समय परिजनों ने भैंस के खुर लगने से मौत की आशंका जताई थी और बिना पुलिस को सूचना दिए शव को दफना दिया गया था। कुछ दिनों बाद मृतक की मां रिबिका पत्नी गुलाबचन्द्र ने अपने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ को प्रार्थना पत्र दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवगांव

पुलिस ने जिलाधिकारी से शव उत्खनन की अनुमति मांगी। आदेश मिलने के बाद 14 जनवरी 2026 को मजिस्ट्रेट व क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में वीडियो ग्राफी कर शव को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में हत्या की पुष्टि होने के बाद थाना देवगांव में मु0अ0सं0 33/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रिया पुत्री राजेश निवासी ग्राम चेवार पूरब (मुसऊपुर) को 16 जनवरी 2026 को सुबह करीब 11.30 बजे उसके घर के सामने से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

# शाहगंज में हाईटेंशन टावर पर दबंग का कब्जा, बिजली विभाग की चुप्पी से बढ़ा खतरा

## मिल्लत नगर में मकान की बाउंड्री के भीतर किया शामिल, शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग साधे हुए है मौन

**विशाल सोनी,** शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मिल्लत नगर मोहल्ले में बिजली के हाईटेंशन टावर पर दबंग भू माफिया द्वारा कब्जा किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि स्थानीय दबंग ने हाईटेंशन टावर को अपने निर्मित मकान की बाउंड्री के भीतर शामिल कर लिया है, जिससे न केवल नियमों का उल्लंघन हुआ है बल्कि आसपास के लोगों की जान-माल पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों के

अनुसार हाईटेंशन लाइन और टावर के आसपास निर्धारित सुरक्षा दूरी का खुलेआम उल्लंघन किया गया है। इसके बावजूद संबंधित बिजली विभाग और प्रशासनिक अधिकारी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सके हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी विभागीय अधिकारी मौन साधे हुए हैं, जिससे दबंग के हौसले बुलंद हैं। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। हाईटेंशन लाइन के नीचे आवासीय निर्माण नियमों के खिलाफ है, फिर भी प्रभाव और रसूख के बल पर कब्जा कायम रखा गया है। क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध कब्जा हटाया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराई न जा सके।

मामले की जानकारी नही थी अभी संज्ञान में आरहा है। मौके पर जे ई को भेज कर जांच पड़ताल की जॉयेगी।अगर अवैध तरीके से कोई काम हुआ है कार्यवाई की जॉयेगी।

**-अमित धर्मा,** एक्सईएन-विद्युत विभाग शाहगंज

# नगर पंचायत केराकत में समय से खुला कार्यालय, 9:45 बजे दिखी सक्रियता

## पत्रकारों के निरीक्षण में कर्मचारी मिले कार्यरत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत कार्यालय में शुक्रवार सुबह 9:45 बजे कार्य व्यवस्था संतोषजनक दिखाई दी। पत्रकार दीपनरायन सिंह,मोहम्मद असलम खॉन, पंकज सिंह, आदि पत्रकारों द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान कार्यालय खुला मिला और कर्मचारी सरकारी कार्यों के निष्पादन में जुटे हुए नजर आए। लिपिक व कंप्यूटर ऑपरेटर समय से उपस्थित, कामकाज सुचारु निरीक्षण के समय नगर पंचायत के लिपिक अजय कुमार निषाद तथा कंप्यूटर

ऑपरेटर अमित कुमार साहनी अपने-अपने कक्ष में बैठकर नियमित सरकारी कार्य करते पाए गए। इसके साथ ही अन्य कुछ कर्मचारी भी कार्यालय में मौजूद रहे और कार्यप्रणाली सामान्य रूप से संचालित होती दिखी। शेष कर्मचारी आने की प्रक्रिया में, कार्यालय व्यवस्था सामान्य कुछ कर्मचारियों की अनुपस्थिति के संबंध में पूछे जाने पर लिपिक अजय कुमार निषाद ने बताया कि अधिकांश कर्मचारी उपस्थित हैं और जो कर्मचारी अभी नहीं पहुंचे हैं, वे थोड़ी ही देर में कार्यालय आ जाएंगे। कुल मिलाकर नगर पंचायत कार्यालय में कामकाज की स्थिति सामान्य और व्यवस्थित नजर आई।

# आजमगढ़ सांसद धर्मेन्द्र यादव के प्रयास से जनपद को मिली बड़ी सौगात

- पूर्व सैनिकों के लिए खुलेगी सीएसडी कैंटीन, रक्षा मंत्री ने जारी किया आदेश
- अब पूर्वांचल के सैनिकों व उनके परिवारों को आजमगढ़ में ही मिलेगा लाभ

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के नेता, लोकसभा में मुख्य सचेतक एवं लोक लेखा समिति के सदस्य तथा आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव के प्रयास से जिले के पूर्व सैनिकों के लिए सीएसडी कैंटीन खोलने का आदेश जारी कर दिया गया है। माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा इस संबंध में स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद आदेश जारी हुआ है। बताया गया कि यह मांग लंबे समय से लंबित थी। पूर्व में समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद धर्मेंद्र यादव को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था। सांसद ने पूर्व सैनिकों की इस पुरानी मांग को गंभीरता से लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से व्यक्तिगत मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में सीएसडी कैंटीन खोलने का प्रस्ताव रखा था। सांसद के प्रयासों का ही परिणाम है कि अब आदेश जारी हो चुका है। सीएसडी कैंटीन खुलने के बाद न सिर्फ आजमगढ़ बल्कि पूरे पूर्वांचल के पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। अब उन्हें जरूरी सामान के लिए अन्य जिलों या कैंट क्षेत्रों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 सुनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 अबू फैसल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक
(बृहस्पतिवार)
डॉ0 एम के वर्मा
P.G D.C (Delhi)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान
MBBS, DNB, MD (Lucknow)
शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष
समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दाँत चिकित्सक)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon)
स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञा (Inferitility)
समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र
एम.बी.बी.एस.
जनरल फिजिशियन
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक
फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

BAJAJ
ए. एम. बजाज
प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

## आरएसपीएल की डेयरी ब्रांड नमस्ते इंडिया ने 2026 के लिए तेज विकास एजेंडा तय किया

पटना। आरएसपीएल समूह की डेयरी ब्रांड नमस्ते इंडिया वर्ष 2026 में एक स्पष्ट और तेज विकास रोडमैप के साथ प्रवेश कर रही है। यह रोडमैप निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि, विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और उत्तर एवं पूर्वी भारत में अपनी मौजूदगी को और सुदृढ़ करने पर केंद्रित है। पिछले 2-3 वर्षों में ब्रांड ने औसतन 15% की स्थिर वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि ताजे और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मजबूत उपभोक्ता भरोसे का परिणाम है। नमस्ते इंडिया का विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो फ्रेश मिल्क वेरिएंट्स फुल क्रीम, टोंड, डबल टोंड और काउ मिल्क के साथ-साथ दही (पाउच, कप, मिट्टी, और स्वीट), छाछ (प्लेन, मसाला और चटपटी), लस्सी (प्लेन और फ्लेवर्ड), मक्खन, पनीर, मिल्कशेक, फ्लेवर्ड मिल्क, घी, यूएचटी मिल्क, डेयरी व्हाइटनर, फ्रेश क्रीम और आइसक्रीम को शामिल करता है। ये सभी उत्पाद उपभोक्ताओं की विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कैटेगरी में उपलब्ध कराए जाते हैं। आरएसपीएल समूह के विविध उपभोक्ता उत्पाद पोर्टफोलियो में नमस्ते इंडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ब्रांड सख्त गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करता है। वर्तमान में नमस्ते इंडिया उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली एनसीआर, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और असम में सक्रिय है। ब्रांड की मजबूत उपस्थिति कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा और रोहतक जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों में है, जिसे एक व्यापक और सशक्त ग्रामीण वितरण नेटवर्क का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026 को ध्यान में रखते हुए, नमस्ते इंडिया अपने संचालन को और विस्तार देने, सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने तथा गुणवत्ता अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। विशेष रूप से बिहार तथा व्यापक उत्तर और पूर्वी भारत क्षेत्र में विस्तार इस रणनीति का प्रमुख केंद्र बिंदु है। ये पहलें आरएसपीएल समूह की सतत विनिर्माण, रोजगार सृजन और भरोसेमंद उपभोक्ता आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

## मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों किया निरीक्षण




जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात कुमार द्वारा जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जय गोपालगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी चिकित्सक उपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के समय सीएचओ उपस्थित मिले, जिनके द्वारा दो मरीजों का उपचार किया गया। एनएचएम सेंटर पर कुल 14 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध पाई गईं।

इसके उपरांत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलाव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय धर्मेंद्र एवं स्वप्न उपस्थित पाए गए। चिकित्सक के संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि वे अपनी इमरजेंसी ड्यूटी के कारण मुफ्तीगंज गए हुए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी कर्मचारी समय से उपस्थित रहकर अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। केंद्र पर साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

इसके अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरकोनी का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अधीक्षक सहित सभी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित पाए गए। यहां अब तक कुल 30 जांच की जा चुकी थीं। दवाइयों की उपलब्धता पर्याप्त पाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संस्थान में प्रसव सेवाओं को बढ़ाए जाने तथा अनुपयोगी/निष्प्रयोज्य सामग्री को कंडम (निस्तारित) करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर समयबद्ध उपस्थिति, स्वच्छता, जांच एवं उपचार सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

## स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने रिकॉर्ड घरेलू बिक्री हासिल की

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने 2025 में अब तक का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस दर्ज किया है, जिसकी एक बड़ी वजह इंडस्ट्री की मजबूत रिकवरी और सभी सेगमेंट में बढ़ती डिमांड भी रही है। ग्रुप ने 117,000 यूनिट्स की अब तक की सबसे ज्यादा घरेलू बिक्री दर्ज की, जिसमें सालाना वॉल्यूम ग्रोथ प्त36% रही, जबकि कुल बिक्री 159,500 यूनिट्स (घरेलू और एक्सपोर्ट) तक पहुँच गई। यह एक उपलब्धियों से भरा साल था जिसमें एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने 2 मिलियन मेड-इन-इंडिया गाड़ियों का आंकड़ा पार किया, जो इसके मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस के पैमाने और मैच्योरिटी को दिखाता है। एमक्यूबी-ए0-इन प्लेटफॉर्म—जो खास तौर पर भारत के लिए डेवलप किया गया—इस ग्रोथ के केंद्र में रहा और अब यह सभी स्थानीय रूप से मैन्युफैक्चर किए गए स्कोडा और फॉक्सवैगन मॉडल्स का आधार है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने अपनी इंटरनेशनल स्ट्रेटेजी में भी एक बड़ा मुकाम हासिल किया, क्योंकि कुल

## पीएनबी ने भारतीय सेना के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया



मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 13 जनवरी 2026 को भारतीय सेना के साथ अपने एमओयू का नवीनीकरण किया है। इस एमओयू के तहत पीएनबी अपनी प्रमुख योजना पीएनबी रक्षक प्लस के जरिए भारतीय सेना के सभी सेवारत कर्मियों व पेंशनभोगियों को बेहतर बीमा कवर व अन्य लाभों के साथ विभिन्न सेवाएं प्रदान करेगा। सेना मुख्यालय के एडिशनल जनरल पर्सनल सर्विसेज (एडीजीपीएस) निदेशालय, एडजुटेंट जनरल शाखा के कार्यालय में पीएनबी के कार्यपालक निदेशक बिभु प्रसाद महापात्र और भारतीय सेना की ओर से महानिदेशक मैनपावर प्लानिंग एंड पर्सनल सर्विसेज (डीजी एमपी एंड पीएस) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव पुरी, एवीएसएम, वीएसएम की उपस्थिति में एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। एमओयू पर पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक सुधीर दलाल और एडिशनल डायरेक्टर जनरल पर्सनल सर्विसेज मेजर जनरल वी.के. पुरोहित, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम ने हस्ताक्षर किए। पीएनबी के मुख्य रक्षा बैंकिंग सलाहकार मेजर जनरल दिनेश सिंह बिष्ट, एसएम, वीएसएम के साथ बैंक और भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी हस्ताक्षर समारोह के दौरान उपस्थित थे। इस समझौते के तहत दिए जाने वाले लाभ निम्नलिखित हैं। व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा: 100 लाख रुपये, हवाई दुर्घटना बीमा: 150 लाख रुपये, स्थायी/आंशिक दिव्यांगता कवर: 100 लाख रुपये, ऑपरेशन के दौरान मृत्यु पर अतिरिक्त कवर: 10 लाख रुपये, है। इसके अलावा, 'रक्षक' खाताधारकों के आश्रितों और परिवारों को रिटेल लोन, डेबिट कार्ड आदि में कई अन्य लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। बैंक सशस्त्र बलों के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए समर्पित है और भविष्य में भी इसे जारी रखने का प्रयास करेगा।

## पतंग उड़ाते समय छत से गिरकर घायल युवक को मणिपाल हॉस्पिटल सिलीगुड़ी में मिला नया जीवन

मुंबई/सिलीगुड़ी। पूर्वी भारत के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल सिलीगुड़ी ने कड़ी मेहनत और समन्वित चिकित्सा प्रयासों के माध्यम से किशनगंज के 22 वर्षीय छात्र रवि गुप्ता (नाम परिवर्तित) की जान बचाई। पतंग उड़ाते समय तीसरी मंज़िल की छत से फिसलकर गिरने के कारण उन्हें गंभीर सिर की चोट आई थी। 3 जनवरी 2026 को उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लाया गया। आपातकालीन विभाग में कंसल्टेंट डॉ. सिंथी पाल ने सबसे पहले मरीज का मूल्यांकन किया और तुरंत जीवनरक्षक आपात चिकित्सा शुरू की। इमरजेंसी में स्थिति स्थिर होने के बाद, विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों की एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम को तुरंत उपचार में शामिल किया गया। इस टीम में न्यूरोसर्जरी के डॉ. अनुरूप साहा, क्रिटिकल केयर के डॉ. समीत परुआ, प्लास्टिक सर्जरी की डॉ. सोइबाम जया लेइमा, जनरल सर्जरी के डॉ. पेंजिंग डिचेन भूटिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाल और ऑर्थोपेडिक्स के डॉ. पंकज कुमार शामिल थे। अचेत अवस्था में आपात विभाग लाए जाने पर मरीज को ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी, चेहरे की गंभीर चोट तथा नाक और मुंह से लगातार रक्तस्राव का प्रारंभिक निदान किया गया। उन्हें तत्काल इंट्यूबेट कर उन्नत लाइफ सपोर्ट के लिए आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। विभिन्न विभागों के बीच बेहतरीन तालमेल और सहयोगात्मक उपचार के चलते मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हुआ और 7 जनवरी 2026 को उन्हें स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। यह मामला दर्शाता है कि समन्वित टीमवर्क ने एक युवा जीवन को बचाने में कितनी अहम भूमिका निभाई। इस बारे में डॉ. सिंथी पाल, कंसल्टेंट इमरजेंसी मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल सिलीगुड़ी ने कहा, मरीज को अचेत अवस्था में लाया गया था और हमारी प्राथमिकता तुरंत मूल्यांकन, एयरवे को सुरक्षित करना और जीवनरक्षक आपात चिकित्सा शुरू करना था। समय पर हस्तक्षेप और विभिन्न विशेषज्ञताओं के बीच तालमेल ने इस युवा मरीज को बचाने में निर्णायक भूमिका निभाई।

मामले पर प्रकाश डालते हुए डॉ. अनुरूप साहा, कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल सिलीगुड़ी ने कहा, ऊंचाई से गिरने के कारण मरीज को गंभीर ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी हुई थी।

## धनराशि को बिना सहमति के बीमा के मद में स्थानांतरित करने का बैंक पर लगाया महिला ने आरोप




जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा जनसुनवाई के दौरान श्रीमती माधुरी देवी पत्नी विजय कुमार निवासी ग्राम व पो०-मुरादगंज, थाना-लाइनबाजार, जौनपुर के द्वारा बैंक आफ बड़ौदा शाखा जेसीज चौराहा के बैंक खाते से संबंधित लेन-देन एवं धनराशि निकासी के संबंध में आपत्ति दर्ज कराई गई थी। जिसमें अवगत कराया गया था कि शिकायतकर्ता की धनराशि को बिना उनके सहमति के बीमा के मद में स्थानांतरित कर दिया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देश पर संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक एवं अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक अभिलेखों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। इस प्रकरण की सुनवाई आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में की गई और प्रकरण की सुनवाई करते हुए शिकायतकर्ता को धनराशि उपलब्ध कराई गई। जिस पर शिकायतकर्ता माधुरी द्वारा जिलाधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा श्रीमती माधुरी देवी को कंबल वितरित किया और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेशानुसार जनपद में बैंकिंग सेवाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को आश्वस्त किया कि बैंकिंग एवं वित्तीय मामलों में आमजन के हितों की पूर्ण सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

## जेसीआई शाहगंज सिटी का 46वा शपथ ग्रहण और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न



-चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज की प्रमुख सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी का 46वां शपथ ग्रहण और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गुरुवार देर रात हुआ। समारोह में अध्यक्ष के तौर पर विवेक सोनी और उनकी कार्यकारिणी ने शपथ लिया। इस मौके पर 6 नए सदस्यों ने भी संस्था की सदस्यता ग्रहण की। पक्का पोखरा स्थित ज्योत्सना मैरेज लॉन में देर रात तक चले शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंडलाध्यक्ष गौरव सेठ मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में ख्याति और रक्षा ने जेसी आस्था और लक्ष्य का पाठ किया। सचिव 2025 आदित्य गुप्ता ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद अध्यक्ष 2025 दीपा सेठ ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर बीते कार्यकाल में उम्दा प्रदर्शन करने वाले और विशेष योगदान देने वाले जेसी साथियों और पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। इसके बाद दीपा सेठ ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विवेक सोनी और उनकी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। उपाध्यक्ष के तौर पर उज्वल सेठ, हिमांशु गुप्ता, कार्तिक अग्रहरि, आशीष सोनी, अमृता जायसवाल और रवि अग्रहरि ने शपथ ली। निदेशक पद पर आदित्य, रौनक, अमृत अग्रहरि, सुमंग साहू, नवीन मोदनवाल और सुजल मोदनवाल ने शपथ लिया। वीरेंद्र जायसवाल ने सचिव, रोहित गुप्ता ने कोषाध्यक्ष, दीपक सिंह ने पीआरओ, आयुष अग्रहरि ने जेजे चेयरमैन, दुर्गेश चौरसिया ने जेजे सचिव और आयुष कसेरा ने जेजे कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली। अध्यक्ष विवेक सोनी ने कहा कि संस्था की 45 वीं व पहली महिला अध्यक्ष दीपा सेठ का कार्यकाल यादगार रहा। उनका उद्देश्य 2026 को संस्था के लिए ऐतिहासिक बनाना है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्ष में नए कलेवर के कार्यक्रम और जनोपयोगी परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे संस्था के उद्देश्यों को व्यापक रूप से पूरा किया जा सके।

नए सदस्य के रूप में पिंकी सोनी, दर्शिका सोनी, संजीव नाग, अमन अग्रहरि, रौनक मोदनवाल, श्वेता अग्रहरि को अधिष्ठापन अधिकारी सोनम चतुर्वेदी ने शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि पूर्व पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान, जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, पत्रकार पंकज जयसवाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि प्रकाश गुप्ता, पूर्व मंडलाध्यक्ष पूर्व मंडलाध्यक्ष आलोक सेठ, रूपेश जायसवाल और अभिनव चौरसिया ने सभी को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। धन्यवाद ज्ञापन वीरेंद्र कुमार ने किया। संचालन रविकांत जायसवाल व सौरभ सेठ ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ राजकुमार मिश्रा, हनुमान प्रसाद अग्रहरि, कैलाश नाथ जायसवाल, रमेश चंद्र गुप्ता, महेंद्र जायसवाल, संजीव जायसवाल, वीके आर्या, संजय गुप्ता, रमेश गुप्ता, रविकांत जायसवाल, दीपक जायसवाल, अभिषेक अग्रहरि, अविनाश जायसवाल, आशीष जायसवाल, निर्भय जायसवाल, गैलेक्सी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ एस एल गुप्ता, मनोज जायसवाल, रामलीला समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

## इंदौर के उद्योगपति विनोद अग्रवाल को पत्नी शोक



-प्रणीत तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश इंदौर के उद्योगपति और समाजसेवी विनोद अग्रवाल की धर्मपत्नी नीना देवी अग्रवाल का गुरुवार को निधन हो गया। वे 62 वर्ष की थी। नीना देवी अग्रवाल एक सरल, सौम्य, मृदु भाषी महिला थी। उनके निधन पर इंदौर में शोक की लहर फैल गई, अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है जिसमें अर्चना, अदिति, तपन और वंशिका की पूज्यमता थी। प्रदेश में सबसे अधिक दान देने में हमेशा सक्रिय रहती थी, कुछ दिन पहले अन्नपूर्णा मंदिर भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी शामिल हुई थी। उनके निधन पर अग्रवाल समाज तथा समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, टीकमचंद गर्ग, अरविंद बागड़ी, राजेश बंसल, नंदू कंदोई, विष्णु बिंदल आदि ने शोक व्यक्त किया। उनका अंतिम संस्कार 16 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार को दोपहर 2:00 बजे चमेली पार्क गोयल नगर स्थित उनके निवास स्थान से निकाली गई थी। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शव यात्रा में शामिल हुए थे। समाज के जानी-मानी हस्तियां व राजनेता उपस्थित थे। नीना देवी अग्रवाल का अंतिम संस्कार रीजन पार्क मुक्तिधाम में मुखाग्नि देकर किया गया।

## प्रभाग क्रं 10 के सभी जीते हुए उम्मीदवारों को लोगों ने दी बधाई




नालासोपारा (उत्तरशक्ति) नालासोपारा पूर्व के प्रभाग क्रं 10 के उम्मीदवार श्रीमति अंजू हरिकेश तिवारी ने भारी मतो विजय प्राप्त की हैं। वहीं पंकज देशमुख, डिंपल सिंह, किशोर पाटिल ने भारी मतो से विजय प्राप्त होने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, प्रेम कृष्ण तिवारी, जगदीश तिवारी, आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल, अमित त्रिपाठी ( डाक्टर ), आकांक्षा तिवारी, प्रियंका चौबे, संदेश तिवारी, शिव कुमार शुक्ला, प्रभाकर तिवारी सहित कई लोगों ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशा व्यक्त किया है कि बिना भेदभाव के समाज कार्य करते रहेंगे। क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान देंगे।

## बंद रेलवे क्रॉसिंग पर खड़ी मैजिक को पीछे से आ रही ट्रक ने मारी टक्कर, चालक घायल




गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-आजमगढ़ हाईवे पर केशवपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास शुक्रवार की रात सवा आठ बजे हुए एक हादसे में क्रॉसिंग बंद होने के कारण एक ट्रक के पीछे खड़ी मैजिक गाड़ी को आजमगढ़ की तरफ से आ रहे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे मैजिक आगे खड़े ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और चालक दिलीप निवासी लाइन बाजार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया इस दौरान लगभग आधे घंटे तक दोनों तरफ वाहनों का जाम लग रहा। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि घायल चालक को तत्काल उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया है। टक्कर मारने वाला चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

## गुलजार हो गये स्कूल, आसमान में पतंगबाजी घटने के आसार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूल गुलजार हो गये। परिषदीय विद्यालय 14 जनवरी तक अवकाश के चलते बंद थे 15 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश होने के बाद शुक्रवार को खुल गये ज्यादातर मान्यता प्राप्त विद्यालय भी शुक्रवार को खुल गये हैं। जिससे घर बैठी बच्चों की फौज स्कूलों को रवाना हो गई। स्कूली बच्चों के स्कूल पहुंचने पर पतंगबाजी के कम होने के आसार हैं। चाइनीज मांझे का प्रयोग स्कूल खुलने से कितना नियंत्रित होगा इसके बारे में कुछ भी कहना कठिन है लेकिन बच्चों के स्कूल चले जाने से निश्चित रूप से पतंगबाजी कम हो जायेगी। सुबह स्कूल जाने की तैयारी फिर स्कूल और स्कूल से वापस लौटने पर होमवर्क में व्यस्तता पतंगबाजी को काफी सीमा तक नियंत्रित कर देगी। इंटर कॉलेजों में भी बोर्ड परीक्षा करीब आ रही है जिसके चलते बड़े बच्चे भी पढ़ाई पर ज्यादा फोकस करेंगे। चूंकि चाइनीज मांझे का कहर पूरे जनपद में ज्वलंत मुद्दा पिछले कई दिनों से बना हुआ है ऐसे में शुक्रवार को विद्यालय खुलने के पहले दिन ही ज्यादातर स्कूलों में प्रार्थना सभा और कक्षा कक्ष में बच्चों को चाइनीज मांझे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में बताया गया तथा इसका प्रयोग नहीं करने के लिए बच्चों को नसीहत दी गई।




गत दिवस नई मुंबई में आयोजित प्रजापति समाज विकास मंडल के कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के साथ मंच पर उपस्थित समाज सेविका श्रीमती आशा ताई कुंभार। छाया: उत्तरशक्ति

## शाहगंज मंडल में मतदाता पुनरीक्षण अभियान, छूटे हुए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 भरवाने का कार्य संपन्न

शाहगंज, जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। शाहगंज, 16 जनवरी 2026 को बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने शाहगंज मंडल के बूथ नंबर 255, 256, 224 और 225 में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाता पुनरीक्षण अभियान-2025 (एसआईआर) के तहत छूटे हुए लोगों का नामांकन सुनिश्चित किया। इस अभियान में विशेष रूप से उन युवाओं पर फोकस किया गया, जिनकी उम्र 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। कार्यकर्ताओं ने इन पात्र मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 भरवाने का कार्य किया, ताकि उनका नाम नई मतदाता सूची में शामिल हो सके। अभियान के दौरान स्थानीय निवासियों से भरपूर सहयोग मिला। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि मतदान हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कोई भी पात्र मतदाता इससे वंचित न रह जाए, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, फॉर्म 6, 7 और 8 को 6 फरवरी 2026 तक भरा जा सकता है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक मतदाताओं को सूची में शामिल करना है, ताकि आगामी चुनावों में लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित हो। इस कार्यक्रम में जिला सोशल मीडिया प्रभारी (ओबीसी मोर्चा) वेद प्रकाश जायसवाल, मंडल उपाध्यक्ष विकास चौधरी, मंडल मंत्री महेश लालवानी, सोशल मीडिया प्रभारी चंदन कुमार जायसवाल, शक्ति केंद्र प्रमुख अमित शर्मा, बूथ अध्यक्ष नवीन शर्मा और कुशाग्र आर्य सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया और फॉर्म भरने में सहायता प्रदान की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह अभियान न केवल मतदाता सूची को अपडेट करने में मददगार साबित होगा, बल्कि युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित भी करेगा। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की और आगे भी ऐसे अभियानों में सहयोग का आश्वासन दिया।

## बिजली बिल राहत योजना से शाहगंज में 21 करोड़ की ऐतिहासिक वसूली

### पहले चरण में 16,757 उपभोक्ताओं ने उठाया लाभ

-चंदन जायसवाल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार और विद्युत विभाग की महत्त्वाकांक्षी बिजली बिल राहत योजना को शाहगंज क्षेत्र में जबरदस्त सफलता मिली है। योजना के पहले चरण में उपभोक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे न सिर्फ आम जनता को राहत मिली बल्कि विद्युत विभाग की आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शाहगंज विद्युत खंड के अंतर्गत खेतासराय एवं सुइथा कला क्षेत्र के कुल 16,757 विद्युत उपभोक्ताओं ने पहले चरण में 21 करोड़ रुपये का भुगतान किया। योजना की सफलता




से उत्साहित विद्युत विभाग अब दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर उपभोक्ताओं को जागरूक करने में जुटा है। जनता जहां इस योजना से आर्थिक राहत महसूस कर रही है, वहीं उपभोक्ताओं की यह भी अपेक्षा है कि विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली और सेवाओं में और सुधार हो, जिससे यह राहत स्थायी रूप ले सके। इस संबंध में शाहगंज विद्युत उपखंड के एक्सईएन अमित धर्मा ने बताया कि शाहगंज, खेतासराय और सुइथा कला क्षेत्रों में योजना के प्रथम चरण के तहत कुल 21 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। जो की 16757 उपभोक्ताओं ने जमा किए। उन्होंने बताया कि योजना का द्वितीय चरण 4 जनवरी से प्रारंभ हो चुका है, जो 31 जनवरी तक चलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल के ब्याज पर 100 प्रतिशत छूट तथा मूलधन पर 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। विद्युत विभाग अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रचार-प्रसार कर रहा है।

## वंदे मातरम चित्रकला कार्यशाला का भव्य उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण के कर कमलों से

प्रयागराज ( उत्तरशक्ति )। विख्यात चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस के अतर्गत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में वंदे मातरम पर आधारित चित्रांकन हेतु तीन दिवसीय वंदे मातरम कला कार्यशाला का भव्य उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण संस्कार भारती पंडाल किला चौराहा माघमेला शिविर में 17 जुलाई 2026 को करेंगे। विशिष्ट अतिथि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा तथा संस्कार भारती प्रयागराज महानगर की अध्यक्ष डॉ ज्योति मिश्रा होगी तथा संस्कार भारती के महामंत्री विभव शंकर मिश्रा कलाकारों का उत्साह वर्धन करेंगे। इस कला कार्यशाला के मेंटोर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सचिन सैनी के निर्देशन में चित्रकार शुभम कुशवाहा, सौरभ सोनी, सर्वेश पटेल, प्रिया सिंह एवं युग सिंह वंदे मातरम थीम पर 15 मीटर लम्बे कैनवास पर भावपूर्ण चित्रण करते हुए अपनी कला का जलवा बिखेरेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस पर 24 जनवरी 2026 को राजधानी लखनऊ में यह चित्र प्रदर्शित होंगे। राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र व निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री का संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के इस देश भक्तिपूर्ण कार्यक्रम को निष्ठापूर्वक अंजाम देने के लिए राज्य ललित कला अकादमी ने रवीन्द्र कुशवाहा पर पूर्ण विश्वास जताया है। इस शुभ अवसर पर संस्कार भारती के सभी पदाधिकारी है वह कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

## पीलिया रोगियों के मसीहा राम किशुन हलवाई का निधन, नगर में शोक की लहर



जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। नगर के काली कुत्ती गली, शास्त्री नगर निवासी ज्ञानचंद गुप्ता के पिता राम किशुन हलवाई का शुक्रवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से नगर में शोक की लहर दौड़ गई। वे एक वरिष्ठ समाजसेवी थे और सामाजिक व धार्मिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका रही। स्वर्गीय राम किशुन हलवाई अपने सरल, विनम्र स्वभाव और निःस्वार्थ सेवा भावना के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में असंख्य जरूरतमंदों का सहारा बनकर सेवा की। विशेष रूप से पीलिया रोग से पीड़ित मरीजों को निःशुल्क दवाएं देकर उनका उपचार करना उनकी मानवता और करुणा का जीवंत उदाहरण था। दूसरों को जीवनदान देने वाले ऐसे सेवाभावी व्यक्ति का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

वे जीवनपर्यंत समाज सेवा को ही अपना धर्म मानते रहे। धार्मिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों और जरूरतमंदों की मदद में वे हमेशा अग्रणी रहते थे। उनका पूरा जीवन मानव सेवा और परोपकार को समर्पित रहा। उनके निधन पर नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।